राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

विश्व विजेता टाइम्स

तापमान
अधिकतम 26°C
न्यूनतम 12°C

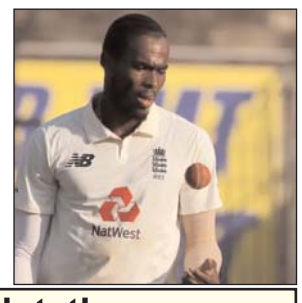

वर्ष : 22 | अंक : 156 | लखनऊ, शनिवार, 13 फरवरी, 2021 | मूल्य : 2 रुपये | पृष्ठ - 8 | www.vishwavijetatimes.com

एक नजर

फीस जमा नहीं होने पर मजदूर की बेटी ने की खुदकुशी

हैदराबाद । मजदूर माता-पिता द्वारा स्कूल की बकाये फीस को नहीं भर पाने के कारण हैदराबाद में एक निजी स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्रा ने खुदकुशी कर ली। स्कूल स्टाफ 15 साल की यशस्विनी पर कथित तौर पर 3,000 रुपये का भुगतान करने का दबाव बना रहा था। माता-पिता ने कहा कि वह उदास थी क्योंकि वह अपनी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ थी। उसने स्कूल जाना बंद कर दिया था। उसके माता-पिता ने पुलिस को बताया कि जब वे गुरुवार शाम को काम से घर लौटे, तो उन्होंने नेरेदमेत के काकतियानगर में घर को अंदर से बंद पाया। चूंकि बार-बार खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला, इसलिए उन्होंने दरवाजे की कुंडी तोड़ दी और बेटी को रस्सी से लटका हुआ पाया। मृत छात्रा के परिवार की शिकायत पर राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के तहत नेरेदमेत पुलिस स्टेशन ने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने कहा कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लड़की के माता-पिता ने कहा कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान कमाई कम होने के बावजूद फीस के रूप में 15,000 रुपये का भुगतान किया था और बाद में बकाया भुगतान करने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी ने अपमान का सामना करने के कारण स्कूल जाना बंद कर दिया था।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के भतीजे का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

अमेठी । समाजवादी पार्टी की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और खनन घोटाले के आरोपी गायत्री प्रसाद प्रजापति के भतीजे का शव शुक्रवार को अमेठी में रेलवे ट्रैक पर मिला है। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि अमेठी के 4307 लोको पायलट से सूचना मिली कि एक शव मिला है। जीआरपी प्रतापगढ़ की पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मिलकर जांच की तो शिनाख्त में पता चला कि गायत्री प्रसाद प्रजापति के भाई जगदीश प्रसाद प्रजापति के पुत्र शुभम अमेठी के परसावा गांव के निवासी थे। ये उनका शव है। प्रारम्भिक परीक्षण में पता चला कि इनका शव दो टुकड़ो में कट गया है। शुरुआती जांच में पता चला कि आत्महत्या का मामला हो सकता है। अभी मामले की जांच हो रही है। शव का पोस्टर्मटम जीरपी द्वारा किया जा रहा है। उधर घरवाले हत्या की आशंका जता रहे हैं। मृतक के बड़े भाई अरूण प्रजापति ने बताया कि राजनीतिक सजिश के तहत हमारे भाई को मार दिया गया है। शुभम की हत्या कर उसकी लाश रेलवे ट्रैक पर फेंक दी गई है। झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं। मंत्री जी को फंसाने वाले लोगों ने इनकी हत्या कराई है। क्योंकि अभी पंचायत चुनाव होने वाले हैं।

मोदी सरकार का फैसला : ब्लॉक स्तर पर खुलेंगे जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार में रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख भाई मांडविया ने शुक्रवार को ब्लॉक स्तर पर नए जन औषधि केंद्र खोलने की घोषणा की है. बता दें कि अभी भारत में कुल 7,326 जन औषधि केंद्र हैं. अब ब्लॉक स्तर पर नए जन औषधि केंद्र खुलने से जनता को आसानी से जेनेरिक दवाईयां मुहैया हो सकेंगी.

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख भाई मांडविया ने नए जन औषधि केंद्र खोलने के ऐलान के साथ बताया है कि अभी तकरीबन 25 लाख लोग इन औषधि केंद्रों से लाभान्वित हो रहे हैं. सरकार नए औषधि केंद्र खोलकर एक बड़ी आबादी को इस योजना से फायदा पहुंचाना चाहती है. इन औषधि केंद्रों में 700 से ज्यादा गुणवत्तापूर्ण दवाइयां मिल रही हैं तथा 140 से ज्यादा सर्जिकल उपकरण बाजार से किफायती दामों पर लोगों को मुहैया कराए जा रहे हैं. देश में अब तक जिला स्तर पर ही जन औषधि केंद्र खोले जा रहे थे. राज्य मंत्री मनसुख भाई मांडविया ने शुक्रवार को ऐलान करते हुए बताया कि अब सरकार ब्लॉक स्तर पर जन औषधि केंद्र शुरू करने जा रही है. सरकार ने यह कदम अधिक से अधिक लोगों तक जेनेरिक दवाइयां पहुंचाने के लिहाज से यह फैसला लिया है।

विपक्ष पर भड़कीं सीतारमण, कहा -

मुफ्त गैस, राशन, घर किसे मिले गरीबों को या पूंजीपतियों को ?

नई दिल्ली

संसद के उच्च सदन में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तथ्यों को इस तरीके से पेश करना कि कुछ नहीं किया जा रहा, विपक्ष की यह आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए हमारी सरकार ने कितना काम किया है, उनके लिए हम काफी योजनाएं चला रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर गरीबों को मिल रहा है, मध्यमवर्ग को हो रहा है, ना कि उन पूंजीतियों या फिर दामाद को। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का फायदा किसे मिल रहा, क्या यह दामाद को मिल रहा है। कांग्रेस के हंगामे के बाद सीतारमण ने कहा कि, दामाद हर घर में होता है, दामाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ट्रेडमार्क नहीं है। उन्होंने कहा कि 800 मिलियन लोगों को फ्री का अनाज दिया गया था, 80 मिलियन को निःशुल्क खाना पकाने की गैस दी गई थी और नकद राशी को सीधे कुछ 40 करोड़ लोगों, किसानों, महिलाओं, दिव्यांग और गरीबों के खातों

में ट्रांसफर किया गया। उन्होंने विपक्ष से पूछा कि क्या सिर्फ पूजीपतियों को इन प्रावधानों से लाभ हुआ है। सीतारमण ने कहा कि, पीएम आवास योजना के तहत 1.67 करोड़ से ज्यादा घरों को बनाया गया, क्या यह अमीरों के लिए है। 2017 अक्टूबर के बाद से 2.67 करोड़ से अधिक आवासों में पीएम आवास योजना के तहत बिजली पहुंचाई गई। सरकारी ई-बाजार पर रखे गए आदेशों का कुल मूल्य, 8,22,077 करोड़ है। क्या वे बड़ी कंपनियों को दिए जा रहे हैं? उन्हें स्वस्थ्य को दिया जा रहा है।

चारा घोटाला: लालू यादव को कोर्ट से राहत नहीं, अब जमानत याचिका पर 19 फरवरी को सुनवाई

रांची।

चारा घोटाला मामले में सजा काट रहे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को आज अदालत से राहत नहीं मिली है। दुमका कोषागार से तीन करोड़ 13 लाख रुपये अवैध निकासी के मामले में जमानत याचिका पर अब 19 फरवरी को सुनवाई की जाएगी। शपथ पत्र दाखिल नहीं होने की वजह से फैसला नहीं हो पाया अब 19 फरवरी को सुनवाई होगी। जेल मैनुअल के उल्लंघन के मामले में भी इसी दिन सुनवाई होने वाली है। रांची हाई कोर्ट में जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत में जमानत याचिका पर कोई आधा घंटा तक सुनवाई हुई। दुमका कोषागार से अवैध निकसी के मामले में लालू प्रसाद को सात वर्ष जेल की सजा सुनाई है। लालू कुल चार मामलों में सजायाफ्ता हैं, जिनमें तीन में उन्हें आधी सजा काट लेने के कारण जमानत मिल चुकी है। पांचवां मामला रांची के डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी का है, जिसमें अभी सुनवाई जारी है। दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में लालू प्रसाद की तरफ से कहा गया है कि उन्होंने आधी सजा काट ली है और वह कई तरह की बीमारियों से ग्रसित हैं। लालू प्रसाद की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने रिकार्ड पेश करते हुए कहा कि लालू प्रसाद ने 28 महीने 29 दिन जेल में बिताए हैं। उनकी आधी सजा पूरी हो चुकी है।

26 फरवरी से चलेगी रामायण यात्रा ट्रेन

भोपाल। मध्य प्रदेश में जैसे-जैसे कोरोना का संकट खत्म हो रहा है वैसे-वैसे कार्य में तेजी दिखाई देने लगी है। देखते ही देखते सुरक्षा नियमों के साथ सभी चीजें खुल गई है। इसी के साथ अब रेल यातायात को भी धीरे-धीरे खोलने के प्रयास जारी है। हाल ही में मिली जानकारी के मुताबिक श्रीराम पथ का दर्शन करवाने के लिए 26 फरवरी से रामायण यात्रा ट्रेन शुरू होगी। यह ट्रैन इंदौर से चित्रकूट, उज्जैन होकर अयोध्या पहुंचेगी। दर्शनार्थियों के लिए अयोध्या से लेकर चित्रकूट तक भगवान श्रीराम के पथ मार्ग के दर्शनीय स्थलों व मंदिरों का भ्रमण करने के लिए टूर पैकेज लाई है। इस पैकेज में पांच रात और छह दिन की यात्रा के लिए स्लीपर क्लास के लिए प्रति यात्री 5670 रुपए और 3एसी (वातानुकूलित 3 टियर) के लिए प्रति यात्री 6930 रुपए का किराया रखा गया है।

बिहार में कोरोना जांच को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा, सिविल सर्जन सहित 5 निलंबित

पटना

बिहार में कोरोना टेस्टिंग के आंकड़ों में बड़ा फर्जीवाड़ा हुआ है। इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद एक सिविल सर्जन सहित कई पदाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही पूरे सूबे में जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

वहीं विपक्ष का आरोप है कि कोरोना टेस्ट के नाम पर सत्ता संरक्षित घोटाला हुआ है। सवा दो करोड़ कोरोना जांच हो चुकी है। बिहार में आबादी के लिहाज से कोरोना जांच के इस आंकडे को लेकर सरकार काफी वाहवाही लुट रही है। किन्तु अब इन आंकडों की वास्तविकता सामने आने लगी है। फिलहाल, केवल एक जिले जमुई में यह फर्जीवाडा सामने आया है। यदि कोरोना जांच की इस लिस्ट पर गौर करें तो कई नाम हैं, जिन्होंने कभी टेस्ट कराया ही नहीं, किसी का नाम, किसी का मोबाइल नंबर। हद तो ये है कि किसी का मोबाइल नंबर केवल जीरो जीरो। इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग की नींद खुली है और कुछ अधिकारियों पर एक्शन लिया गया है। कोरोना के प्रारंभिक दिनों में कोरोना जांच की धीमी रफ्तार को लेकर बिहार सरकार कि जमकर किरकिरी हो रही थी। लिहाजा सरकार ने एक बडी एक स्वास्थ्य विभाग के दो प्रधान सचिवों को हटाया और नए आराधन सचिव को जांच के आंकड़ा बढ़ाने का टास्क दिया गया और कुछ ही दिनों में बिहार पूरे देश में अव्वल हो गया। कुछ दिन पहले तक सीएम नितीश भी कोरोना टेस्टिंग के आंकड़े को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रहे थे।

नाना पाटेकर ने महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी के प्रमुख के रूप में संभाला कार्यभार

महाराष्ट्र । नाना पाटेकर ने महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला, नवनिर्वाचित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पाटेकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने निवर्तमान प्रदेश पार्टी प्रमुख बालासाहेब थोरात से इस पद को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री असलम शेख ने कहा, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता खुश हैं। बाला जी ने अपने कार्यकाल के दौरान बहुत अच्छा काम किया और हमें उम्मीद है कि हम इस प्रवृत्ति को जारी रखेंगे। हम सभी बहुत उत्साहित हैं । भंडारा जिले के सकोली से विधायक रहे पटोले ने इस घोषणा से एक दिन पहले महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्टरी में लगी भयंकर आग, नौ लोगों की मौत

विरुधुनगर।

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में शुक्रवार, 12 फरवरी को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद नौ लोगों की मौत हो गई है और करीब 30 अन्य घायल हो गए हैं। माना जा रहा है कि फैक्ट्री में करीब 100 लोग काम कर रहे थे। पुलिस ने हादसा होने की बात कही है। पुलिस ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब आतिशबाजी का उत्पादन करने के लिए कुछ रसायन मिलाए जा रहे थे। साथ ही आग बुझाने के लिए विभिन्न स्थानों से दस अग्निशमन इकाइयों को मौके पर रवाना कर दिया गया है। यह कारखाना वेम्बाकोट्टई में स्थित है। फायर सर्विस के कर्मी घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि अभी भी इसे काबू में नहीं लाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने ट्वीट कर दुख जताया और कहा कि अधिकारी आग से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। पीएमओ ने एक अन्य ट्वीट में कहा, पीड़ितों के लिए पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 50

हजार रुपये की अनुग्रह राशि को मंजूरी दी गई है। वही इस घटना के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घटना के बाद अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷यह अंदर से फंसे लोगों के बारे में सोचने के लिए दिल दहला देने वाली घटना है। मैं राज्य सरकार से तत्काल बचाव, सहायता और राहत देने की अपील करता हूं।÷ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर मौजूद हैं। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

किसानों के लिए डेथ वारंट की तरह नए कानून कृषकों को गुलाम बनाना चाहती है सरकारः रालोसपा

पटना।

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) ने केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ हमला जारी रखा है. राज्यव्यापी किसान चौपाल के 11वें दिन रालोसपा नेताओं ने किसानों से कहा कि ये कृषि कानून किसानों को सुरक्षा नहीं देते हैं. रालोसपा नेताओं ने इन कृषि कानूनों के काले पक्ष को किसानों के समक्ष रखते हुए कहा कि,क्क्ष्ट एक्ट का प्रावधान 18 और 19 कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग एक्ट में समस्याएं हैं, जो किसानों को किसी भी प्रकार की सुरक्षा नहीं देते हैं. प्रेस वार्ता में पार्टी नेताओं ने बताया कि बिहार में किसानों को जागरूक बनाने और पूरे देश में जारी किसान आंदोलन के समर्थन में

रालेसपा राज्यव्यापी किसान चौपाल कार्यक्रम चला रही है. अब तक लगभग ढाई हजार से अधिक गांवों में किसान चौपाल लगाया जा चुका है. राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) के किसान चौपाल में किसान खुल कर अपनी बात कह रहे हैं. वे न केवल इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं बल्कि सरकार के उस प्रस्ताव को भी सही नहीं मान रहे हैं, जो सरकार ने किसानों के समक्ष रखा था.

रालोसपा इन कानूनों की कमियों की चर्चा पार्टी के कार्यक्रम किसान चौपाल में कर रही है और किसानों व आम जनता को बता रही है कि तीन कृषि कानून, दरअसल किसानों के लिए डेथ वारंट की तरह हैं. इन कानूनों के माध्यम से केंद्र सरकार किसानों को गुलाम बनाने पर तुली हुई है. पार्टी नेताओं ने बताया कि बिहार में किसान जानना चाह रहे हैं कि इन कानूनों में ऐसा क्या है जिससे देश के किसान प्रदर्शन कर रहे हैं और दिल्ली की सीमा पर आंदोलन चल रहा है.

देशविरोधी और भड़काऊ मैसेज का मामला

ट्विटर इंडिया और केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी अदालत ने सोशल मीडिया साइट ट्विटर पर देश विरोधी और भड़काऊ मैसेज भेजे जाने को लेकर ट्विटर इंडिया और केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है. सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से सवाल किया है कि ट्विटर पर इस तरह के मैसेज आने के बाद उनकी ओर से क्या किया जा सकता है. भाजपा नेता विनीत गोएंका नाम ने शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल करते हुए कहा था की ट्विटर पर भड़काऊ और देश विरोधी मैसेज पोस्ट किए जाते हैं. ।

ट्विटर पर विज्ञापन भी दिया जाता है और इसके माध्यम से घृणा सन्देश फैलाए जाते हैं. इसको रोकने के लिए अभी कोई दिशा-निर्देश नहीं है, इसलिए कोर्ट सरकार को फौरन इस संबंध में दिशा-निर्देश बनाने का आदेश दे, जिससे इस प्रकार के मैसेज को रोका जा सके. शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्विटर इंडिया और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए कहा ह।

एक अप्रैल से शुरू होंगी 9-11 की कक्षाएं, सीबीएसई ने जारी किया सत्र 2021-22 को लेकर नोटिस

नई दिल्ली।

सीबीएसई के नये सत्र की शुरुआत एक अप्रैल से होगी. इस संबंध में सीबीएसई ने एक नोटिस जारी कर दिया है. सीबीएसई के वेबसाइट पर इसे अपलोड कर दिया गया है. बोर्ड ने रजिस्टर्ड स्कूलों के प्रिंसिपल को नोटिस भेज दिया है, जिसमें यह कहा गया है कि नये सत्र की शुरुआत एक अप्रैल से कर दी जानी चाहिए. नये सत्र की शुरुआत से स्थिति बेहतर होगी. सीबीएसई के इस आदेश के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि सत्र 2021-22 की पढ़ाई स्कूल में अप्रैल से शुरू हो जायेगी. हालांकि अभी यह व्यवस्था क्लास 9 और 11 के लिए होगी.।

आप सदस्य संजय सिंह ने रास में सरकार पर लगाया देश की संपत्ति बेचने का आरोप

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट 2021-22 को ''अमीरों का बजट'' बताते हुए आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार देश की संपत्ति बेच रही है। राज्यसभा में बजट पर चर्चा में हिस्सा ले रहे सिंह ने कहा ''यह बजट देश की संपत्ति को बेचने के लिए है। आप रेल, सेल (एसएआईएल), कोयला, एलआईसी, बैंक, हवाईअड्डे, बंदरगाह, एफसीआई, बिजली, पानी, सड़क, बीपीसीएल बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की इस संपत्ति का सृजन 130 करोड़ भारतीयों ने किया है और

यह निजी संपत्ति नहीं है जिसे बेचा जा सके। सिंह ने कहा ''प्रधानमंत्री ने 75 दिन से कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों को 'आंदोलनजीवी' कह कर उनका मजाक उड़ाया है। अब तक कम से कम 175 किसानों की आंदोलन के दौरान जान जा चुकी है। '' उन्होंने कहा '' हमें क्रांतिकारियों पर, आंदोलनजीवियों पर गर्व है... वे लोग भाषणजीवी नहीं हैं। सिंह ने कहा कि सदन में चौधरी चरण सिंह का नाम लिया गया लेकिन उनके अनुयायी दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं और ''आप उनकी सुध नहीं ले रहे हैं, उनका मजाक उड़ा रहे हैं।'' इसी दौरान संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने नियम 240 के तहत व्यवस्था का प्रश्न उठाया। पीठासीन अध्यक्ष संबित पात्रा से अनुमति मिलने पर उन्होंने कहा ''चर्चा में हिस्सा ले रहे किसी भी सदस्य को अप्रासंगिक बातों पर नहीं बोलना चाहिए। चर्चा बजट पर केंद्रित होनी चाहिए।''

दिनेश त्रिवेदी ने भाजपा का दामन साधा

नई दिल्ली।

पूर्व रेल मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (क्क्ष्ट) सांसद दिनेश त्रिवेदी ने राज्यसभा में बजट पर चर्चा के दौरान अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है. सूत्रों के अनुसार, दिनेश त्रिवेदी जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम सकते हैं. हालांकि, खुद दिनेश त्रिवेदी अभी भाजपा में शामिल होने की बात को न तो स्वीकार कर रहे हैं और न ही इससे सा इनकार कर रहे हैं. इस्तीफे की घोषणा के बाद दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि, मैं बेहद भावुक हूं और मेरे लिए हमेशा देश सर्वोपरी रहा है, जो हमने संसद में कहा वही हकीकत है, आज पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हमारे यहां इतना कठोर, इतना कड़वाहट, इतना बंगाल में हिंसा, तो

हम यहां बैठकर कैसे अपनी आत्मा से समझौता कर सकते हैं. पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने आगे कहा कि, मैं खुश हूं कि मुझे स्वामी विवेकानंद और गुरुजन से प्रेरणा मिली है, हम पार्टी से परे हैं, पार्टी में रहते हैं तो अनुशासन का पालन करना पड़ता है, और कुछ कह नहीं सकते, और कोई सुनने वाला भी नहीं होता है, ममताजी के लिए मेरे मन में सम्मान है और रहेगा. भाजपा में शामिल होने के सवाल पर पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि, हम तो अभी अपने

कोरोना से बचाव के लिए डीएम और एसपी समेत अन्य उच्चधिकारियों ने लगवाई वैक्सीन

सीतापुर ।

कोरोना से बचाव के टीके को लेकर अब न तो किसी भ्रम में पड़ने की जरूरत है और न ही घबराने की। अब जरूरत है तो सिर्फ आगे आने की और कोविड से बचाव की वैक्सीन लगवाने की। गुरुवार को जिला महिला चिकित्सालय में डीएम और एसपी सहित तमाम आला अफसरों को जमावड़ा लगाए इन सभी अधिकारियों ने स्वेच्छा से कोरोना से बचाव का टीका लगवाया और आमजन से भी अपनी बारी आने पर टीका लगवाने की अपील की। टीका लगवाने के बाद सभी आधा घंटा तक अवलोकन कक्ष में रूके।

जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने टीका लगवाने के बाद कहा कि आज मैंने कोविड की वैक्सीन लगवाई हैए मुझे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई है। मैं राजस्व विभागए पुलिस विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मियों से अपील करूगां कि वह भी यह वैक्सीन लगवाएं और अपना जीवन सुरक्षित बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना से बचाव को लेकर भारत

में तैयार किया गया टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने अपने अनुभव से कहा कि उन्हें जब टीका लगाया गया तो कोई दिक्कत नहीं हुई। टीका लगवाना बहुत ही आसान है। खुद के साथ.साथ पूरे परिवार और समाज को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अपनी बारी आने पर हर किसी को अपने संबंधित टीकाकरण स्थल पर पहुंचकर टीका जरूर लगवाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह ने टीका लगवाने के बाद टीकाकरण को हर व्यक्ति के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि वैक्सीन लेने के बाद किसी तरह साइड इफेक्ट नहीं हुआ। जिन लोगों ने पूर्व में टीका लगवाया हैए उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं हुई है। वैक्सीन के बाद सभी लोग पूरी तरह स्वस्थ है। इससे साफ स्पष्ट है कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने अन्य लोगों से भी उत्साह के बिना किसी झिझक के टीका लगवाने की अपील की। उन्होंने बताया वैक्सीन लेने से किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न नहीं होगी।

समाज व परिवार की सुरक्षा के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है। इस मौके पर दोनों एडीएमए दोनों एएसपी सहित एसडीएमए सीओ व तहसीलदारों ने भी कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगवाई। मानक के अनुरूप पूरी हुई औपचारिकताएं टीकाकरण से पहले डीएम व एसपी सहित अन्य सभी अधिकारियों द्वारा पंजीकरण पहचान पत्र सहित सभी औपचारिकताएं निर्धारित मानक के अनुरूप पूरी की गई। इसके बाद अधिकारियों ने कोरोनारोधी वैक्सीन लगवाई। इन सभी अधिकारियों को अब 28 दिन बाद दूसरा टीका लगाया जायेगा।

जिलाधिकारी ने लगवाई कोविड-19 की वैक्सीन

एटा ।

कोविड-19 के वैक्सीनेशन के पहले चरण में हेल्थ केयर वर्कर्स को वैक्सीन लगाई गई थी, तो वहीं गुरुवार को फ्रंट लाइन वर्कर्स को कोविड वैक्सीन लगाई गई।

जिलाधिकारी सुखलाल भारती ने जिला अस्पताल की ब्लड बैंक पहुंचकर कोविड-19 की वैक्सीन लगवाई। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवाने के बाद पूरी तरह स्वस्थ और लोगों में टीकाकरण को लेकर किसी भी भ्रम में आने की जरूरत नहीं है। वैक्सीन लगवाने के बाद भी कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन किया जाए।

जिलाधिकारी सुखलाल भारती ने टीकाकरण के उपरान्त ऑब्जर्वेशन रूम में आधा घंटे रूकने के बाद कहा कि आज मैंने वैक्सींन ली है, यह पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने अपील की कि वैक्सीन को लेकर भ्रम नहीं रखना चाहिए, जिन अधिकारियों, कर्मचारियों के नाम सूची में हैं, उनके द्वारा वैक्सीनेशन कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। कोविड-19 वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित है, कतिपय लोग भ्रम पैदा करते है लेकिन ऐसा कुछ नहीं है, वो पूरी तरह स्वस्थ है। फ्रंट लाइन वर्कर्स को पूरे उत्साह से वैक्सीनेशन के लिए आगे आना चाहिए।

डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविंद कुमार गर्ग को निर्देश दिए कि सूची के अनुसार संबंधित अधिकारी, कर्मचारी को कन्ट्रोल रुम के माध्यम से उसके मोबाइल नम्बर पर टीका लगवाये जाने की सूचना दें, ताकि वे अपने निर्धारित स्थलों पर पहुँचकर समय से टीका लगवा सके। इस अवसर पर सीएमओ डा0 अरविंद कुमार गर्ग, सीएमएस डा0 राजेश अग्रवाल, एसीएमओ डा0 राम सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी आदि मौजूद रहे।

समर्पण निधि अभियान चलाया व दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई

सीतापुर ।

सेठ जय दयाल इण्टर कालेज में विद्यालय प्रबंधक व भाजपा नेता महेश चन्द्र मेहरोत्रा की अध्यक्षता में पं दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी एवं श्री राम मंदिर निर्माण समर्पण निधि अभियान के तहत स्वेच्छा से सहयोग प्रदान करने का अनुग्रह किया गया तथा विद्यालय के सभी धर्म के लोगों ने अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रवक्ता वृन्दारक नाथ मिश्र द्वारा की गयी। कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश चन्द्र मेहरोत्रा ने कहा कि पं दीन दयाल उपाध्याय जी जो गरीबी रेखा के नीचे अंत्योदय के अन्तर्गत आने वाले नागरिकों के उत्थान के प्रति सजग रहने वाले एक महान व्यक्ति थे श्री राम मंदिर निर्माण हेतु राम जन्म भूमि क्षेत्र संगठन को विद्यालय के सभी धर्म के लोगों ने लगभग तेईस हजार रुपया की धनराशि स्वेच्छा से प्रदान की गयी।

जिसमें महेश चन्द्र मेहरोत्रा, प्रधानाचार्य कैप्टन बी एल वर्मा सत्य प्रकाश त्रिपाठी वृन्दारक नाथ मिश्र, देवी शंकर बाजपेयी डॉ सविता मिश्रा मकसद अली शकील अहमद अंसारी गया प्रसाद गुप्ता अरशद अली सुभाष चन्द्र दुर्गा प्रसाद, नीरज कुमार द्विवेदी राम किशोर अनिल कुमार श्रीवास्तव आनन्द कुमार खत्री कान्त अरुण कु मार लिपिक रविन्द्र कु मार पृथ्वीपाल कपिल वर्मा रमेश कुमार रविन्द्र वर्मा आदि रहे। इस कार्यक्रम में रमाकांत जी, चंदन रस्तोगी व विवेक अवस्थी रहे।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता शिविर का आयोजन

सीतापुर। स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज मानपुर मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एन एम ए सोहनलाल द्वारा एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र.छात्राओं को कुष्ठ रोग की पहचान के बारे में बताया गया। यह अभियान महत्मा गांधी की पूर्ण तिथि 30 जनवरी से 13 फरवरी तक प्रति वर्ष मनाया जाता है।कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करते हुए एनएमएए् सोहनलाल ने बताया चमड़ी पर दाग चकत्ते सुन्नपन कुष्ठ हो सकते हैं दाग चक्कता जिसमें पसीना न आता हो हाथ पैरों में नसों का मोटापा सूजन और झनझनाहट हाथ और पैरों के तलवे में सूनापन हाथ और पैर की पूरी क्षमता में काम न कर पाना चेहरा शरीर और कान पर गांठ हाथ पैर की अंगुलियों का टेढ़ापन कुष्ठ हो सकता है परंतु इससे घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि समय रहते यदि इलाज हो जाए।

एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गोरखपुर ।

तहसील क्षेत्र सहजनवां के पाली ब्लाक मे महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ विवेक प्रताप सिंह एवं शस्य वैज्ञानिक अवनीश कुमार सिंह द्वारा पाली ब्लाक के नवनिर्मित श्री गोरखनाथ फार्मर मलउर किसान उत्पादक संगठन के निदेशक मंडल एवम कृषको के साथ प्रक्षिक्षण का आयोजन किया गया।

जिसमें संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं शेयर होल्डर/सदस्यों को जोड़ने एवं भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा किया गया। पाली में किसान उत्पादक संगठन का निर्माण महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र और दीदउविवि गोरखपुर के सहयोग एवं दिशानिर्देशन में चल रहा है जिसमे किसानों की इस कंपनी के रजिस्ट्रेशन

की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। कंपनी के निदेशक मंडल एवं के वी के द्वारा सदस्यो को जोड़ने का काम चल रहा है। केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा नचनी गांव के साथ साथ आसपास के गांव में कई जगह सभा के माध्यम से कृषको को इस संगठन के बारे में अवगत कराया गया और इससे भविष्य में होने वाले लाभ के बारे में भी बताया। जिसमें अद्यतन तकनीकी तथा कृषि एवं अन्य क्षेत्र के उत्पादों की बाजार माँग, उसकी प्रस्तावित पूर्ति के तरीकों के बारे में आवश्यक जानकारी दी गयी। इस संगठन को केंद्र द्वारा दिये जाने वाले प्रदर्शनों के साथ भी किसानों को जोड़ा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

माघ अमावस्या महापर्व पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गोरखपुर । माघ अमावस्या के महापर्व पर गुरुवार को गोला क्षेत्र के विभिन्न सरयू नदी के घाटो पर स्नानार्थीयों का आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र के गांवों तथा जिले के अन्य भागों व अन्य जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में आस्था के संगम की डुबकी लगाई। इसके साथ ही दान-पुण्य, कथा-कढ़ाई, गोदान तर्पण आदि किया। सरयू घाटों पर मेले का भी आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस घाटों पर तैनात दिखे। बताते चले गोला कस्बा स्थित पक्का घाट , श्याम ,बिसरा घाट शितला घाट आदि सहित क्षेत्र के शिव पुर मेहड़ा, रामामउर ,भर्रोह,मदरिया , बारानगर ,तिरागांव, कौडिया देवयी पेपर, आदि घाटी पर बृहस्पतिवार भोर से ही श्रद्धालु स्नानार्थियों की भारी भीड़ लगी रही। जो देर शाम तक चलती रही। पूरे क्षेत्र में मेले जैसी स्थिति बनी रही।बुधवार बिटोर के दिन से रात में ही दूर-दूर से स्नानार्थी आकर रूके हुए थे। जो भोर से ही स्नान घाटों पर पहुंचकर स्नान करने लगे। श्रद्धालुओं के लिए घाटों पर समाजसेवियों द्वारा प्रसाद व भण्डारे का आयोजन किया गया था। घाटों पर दिनभर स्नान तर्पण गोदान कथा-कढ़ाई आदि कार्य श्रद्धालु करते रहे। इसके बाद श्रद्धालुओं ने मेले में लगे दुकानों पर अपने मनपसंद के वस्तुओं की खरीदारी की। जबकि किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस के जवान मुश्तैद दिखे। गोला तहसील क्षेत्र के बारानगर कालिका मन्दिर घाट रतनपुर बारानगर नहर घाट बारानगर देवईपीपर तिरागांव कौड़िया तुर्कवलिया मेहड़ा नरहन मदरिया मदरहा दलुआ आदि घाटों पर भी क्षेत्रीय गांवो के स्नानार्थियों की भारी भीड़ लगी रही। श्रद्धालु स्नानार्थीयों ने पवित्र सरयू नदी में डुबकी लगाकर पुण्य-लाभ अर्जित किया। घाटों की ओर जाने वाली सड़कों स्नानार्थियों की भीड़ लगी रही। घाटों पर मेले का आयोजन किया गया। माघ अमावस्या के महापर्व पर श्रद्धालुओं ने शांति पूर्ण स्नान ध्यान अपने-अपने गंतव्य स्थानों के लिए रवाना हो गए।

विधायक की अगुवाई में मनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

गोरखपुर। सहजनवा से बीजेपी के विधायक शीतल पाण्डेय की अगुवाई में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पूर्ण तिथि मनाया गया । सेक्टर बारहुवा में सभी बूथ अध्यक्षों एवं आम जनमानस को एकत्रित करके पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पुण्यतिथि मनाया गया। आपको बता दे कि पिपरौली मण्डल के 13 सेक्टरों के 78 बूथ पर प. दीनदयाल उपाध्याय का पुण्यतिथि मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सहजनवा के बीजेपी विधायक शीतल पांडे मौजूद रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला के कार्यालय मंत्री जनार्दन श्रीवास्तव मौजूद रहे मंडल के अध्यक्ष धर्मराज गोंड़, उपाध्यक्ष अवधेश यादव, सूरज निगम, मनीष पाण्डेय, शिवमोहर सिंह, मान सिंह , डॉ अनील गुप्ता, कृष्ण मोहन यादव, राजू यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

दीनदयाल उपाध्याय की मनाई गई 54वीं पुण्यतिथि

सीतापुर। एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 54 वी पुण्यतिथि आज भाजपा द्वारा जिले के सभी बूथों पर श्रद्धा से मनाई गई। पार्टी कार्यकर्ताओं जनप्रतिनिधियों ने जगह जगह उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कार्यालय पर इस अवसर पर गोष्ठी भी आयोजित हुई। विकास भवन स्थित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दीन दुखियों की सेवा को ही अपना ध्येय बनाया तथा अंत्योदय कार्यक्रम चलाकर समाज के अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए उन्होंने जीवनभर काम किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलकर मोदी व योगी सरकार गांव गरीब किसान के कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाकर उनके जीवन में बदलाव लाने का काम कर रही है। पूर्व जिला अध्यक्ष उमाकांत मिश्र ने कहा की अभाव में पलने के बाद भी उनकी विचारधारा हमेशा बलवती रही और राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने का उन्होंने संकल्प लिया था। पूर्व मंत्री रामहेत भारती ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे ऋषि मनीषी सदियों में कभी.कभी ही होते हैं उनके आदर्श हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे । विकास भवन स्थित प्रतिमा पर उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर उन्हें याद किया।वही पार्टी कार्यालय पर भी एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर साकेत मिश्रा पूनम मिश्रा अजय गुप्ता नीरज वर्मा दिनेश शर्मा विश्राम सागर राठौर संजय मिश्रा भानु सिंह रमाकांत मिश्रा नीरज वर्मा झल्लर नैमिष रतन तिवारी जया सिंह आकाश अग्रवाल श्री प्रकाश सिंह राहुल जायसवाल आदि मौजूद रहे।

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीतापुर। नगर पंचायत हरगांव को स्वच्छ भारत मिशन नगरी के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से 2 नग डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन हेतु मिनी टिपर क्रय किए गए थे जिसके उपयोग हेतु गफ्फार खां अध्यक्ष एवं अरविंद सिंह अधिशासी अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर नगर में रवाना किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के सभासद नजीर अहमद मोहम्मद सलीम सिरी सैयद दानिश नकवी चंद्र मोहन तिवारी संजीव कुमार गुप्ता एवं ठेकेदार रामशंकर अवस्थी उर्फ गुड्डे मोहम्मद शमी मोहम्मद शारिक एवं कर्मचारी अहिबारन लाल दीपक कुमार मोहम्मद आसिफ मोहम्मद फरीद इश्तियाक अली व मोनू गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शीतलपुर ब्लॉक में 45 फर्जी वोटर बढ़े

एटा। शीतलपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सीपुर में करीब 45 वोट फर्जी बढ़ाए गए हैं, जिन लोगों को वोट बनवाए गए हैं, वह जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला झलकारी नगर में रहते हैं। वहीं से राशन भी पा रहे हैं। यह झलकारी नगर के लोग डूंडा विभाग से पेंशन भी प्राप्त कर रहे हैं।

कृषि कानूनों पर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे राजनैतिक दल : उदय

जालौन। कस्बा कैलिया में स्थित कृषक सहकारी समिति परिसर में गुरुवार को जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष उदय पिण्डारी के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल ग्रामीणों को कृषि कानूनों से होने वाले फायदे बताये गये, साथ ही गत रोज संसद में प्रधानमंत्री द्वारा की गयी कृषि कानून पर चर्चा के तहत कई महत्वपूर्ण बातें रखी गयीं। किसानों को संबोधित करते हुए उदय पिण्डारी ने कहा कि विपक्षी दल जानबूझकर किसानों को गुमराह कर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री पारित कृषि बिलों के माध्यम से देश को आगे ले जाने की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं।

इस दौरान एआर प्रेमचंद पटेल, बैंक कर्मी अमित यादव, सतीश दूरबार, मानसिंह वर्मा, सोमवीर गुर्जर, राहुल गुर्जर, रामकृपाल गुर्जर, मुकेश रायकवार, भगवान दास, बीपी राजा, महेन्द्र गुर्जर, ब्रजभूषण सिंह, अटल बिहारी दुबे, अमरसिंह, भगवत शरण, अबध किशोर शर्मा, मेवा दोहरे, बसंत,आनंद शर्मा, थानसिंह, आशू शर्मा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

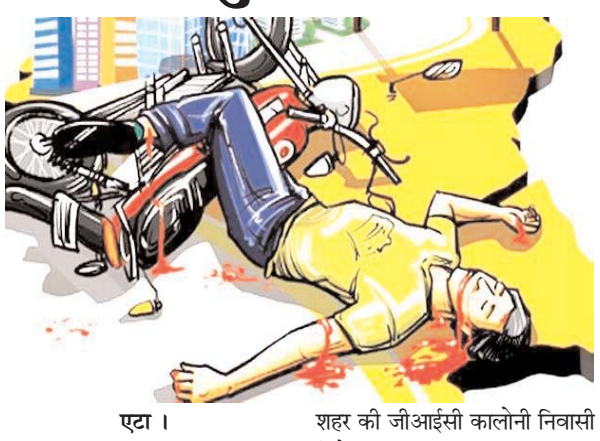

एटा ।

कोतवाली नगर क्षेत्र के अन्तर्गत बुधवार की रात करीब 12 बजे अलीगंज चुंगी के पास दूध के टेंकर की चपेट में आकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है।

खबर सुन परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटनाक्रम के मुताबिक कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला जगन्नाथपुरी निवासी 40 वर्षीय अवधेश कुमार पुत्र भरतसिंह और शहर की जीआईसी कालोनी निवासी विवेक कुमार पुत्र रतन कुमार मोटरसाईकिल पर सवार होकर जा रहे थे। जैसे ही बाइक अलीगंज चुंगी पर पहुंची कि तभी तेज रफ्तार दूध के टेंकर ने बाइक को सौंद दिया।

हादसे में घायल बाइक सवारों को स्थानीय लोगों द्वारा अस्पताल भिजवाया, जहां डाक्टर ने अवधेश को मृत घोषित कर दिया। खबर सुन रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। स्वजनों द्वारा आरोपी चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

रोवर्स रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

गोरखपुर। भैरव प्रसाद मौर्य स्मारक महिला महाविद्यालय एवं बी एड कालेज विशुनपुरा में स्काउट गाइड के तहत पाँच दिवसीय रोवर्स रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्काउट गाइड प्रशिक्षिका इशरत सिद्धिकी ने छात्राओं को खेल खेल में अनेक शैक्षणिक एवं सामाजिक कौशल सिखाए। कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि* उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य भिखारी प्रजापति जी ने कहा कि स्काउट गाइड बच्चों के जीवन में संस्कार और अनुशासन पैदा करता है तथा पाठ्य सहगामी क्रियाओं का अभिन्न अंग है। विशिष्ठ अतिथि विजय कुमार चौधरी जेआरएफ ने कहा कि छात्राओं को आत्म निर्भर भारत को साकार करने या बनाने में स्काउट गाइड की भूमिका सराहनीय हैं।

जो जिम्मेदार नागरिक के साथ ही उनमें परस्पर सहयोग की भावना को विकसित करता है। कार्यक्रम को प्रवंधक राजमंगल मौर्य एवम, राम मिलन यादव, अशोक मौर्य, रविशंकर प्रजापति ने भी सम्बोधित किया। छात्राओं द्वारा अलग अलग टीम बनाकर रोचक झांकी,पकवान और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

जर्जर विद्यालय का छज्जा गिरा श्रमिक की मौत, दो घायल

एटा

मलावन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत जर्जर विद्यालय की हो रही तोड़फोड़ के दौरान छज्जा गिरने से एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्र में दाखिल कराया गया है, जबकि मृतक के शव का पुलिस द्वारा पंचनामा की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराया गया है।

बताया गया है कि विकास खण्ड सकीट क्षेत्र का प्राथमिक विद्यालय रामनगर सोंहार जर्जर हालत में था, निर्माण कार्य कराने के लिए श्रमिकों से विद्यालय की तोड़फोड़ कराई जा रही है। इस दौरान छज्जा समेत रामनगर सोंहार निवासी 22 वर्षीय योगेश कुमार पुत्र हरवीर सिंह और गांव का ही निवासी अवधेश कुमार पुत्र प्रभुदयाल तथा तेजेन्द्र उर्फ संदीप कुमार पुत्र ओमवीर सिंह नीचे आ गिरा। छज्जे की मलवे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल भिजवाया।

डाक्टर ने योगेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि अवधेश और तेजेन्द्र का उपचार चल रहा है। पीड़ित परिजनों द्वारा मुआवजे की मांग की है। वहीं मृतक के पिता हरवीर सिंह ने थाने में तहरीर दी।

जेल अधिकारियों व कर्मचारियों को दी वैक्सीन की डोज

एटा,

गुरूवार को कोरोना महामारी से बचाव के लिए जिला कारागार के सभी कार्मिकों एवं अधिकारियों को वैक्सीन का टीका लगाया गया।

जेल अधीक्षक पीपी सिंह द्वारा सर्वप्रथम टीका लगवाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद जेलर कुलदीप सिंह भदौरिया ने कोरोना बचाव के लिए वैक्सीन का टीका लगवाया।

जेल के सभी कार्मिकों को गुरूवार को टीका लगवाया गया। यह टीकाकरण बागवाला हॉस्पिटल एटा में लगवाया गया। यह जानकारी जेल अधीक्षक पीपी सिंह द्वारा दी गई।

सिकरी व्यास पट्टाधारक खुलेआम करवा रहा नदी की जलधारा से मौरंग खनन

उरई/जालौन। ।

उरई तहसील क्षेत्र के ग्राम सिकरी व्यास से निकली सदानीरा बेतवा नदी से मौरम खनन करने का छह माह अवधि का पट्टा राधा कन्स्ट्रशन के नाम लिया गया था। लेकिन पट्टा हासिल करने के बाद पट्टाधारक द्वारा शुरूआत से ही नदी की बीच जलधारा में पॉकलैंड मशीनों को उताकर नियमों को ताक पर रखते हुये मौरम खनन करने में जुट गया।

हैरानी की बात तो यह है कि खनिज दफ्तर के जिम्मेदारों ने भी कभी मौरम खंड तक पहुंचने की जेहमत नहीं उठायी। ऐसी स्थिति में पट्टाधारक के अवैध कार्य को अनदेखी करने के चलते उसके हौंसले बुलंदियों पर

पहुंच गये जिससे भारी भरकम पॉकलैंड मशीनों को जगह-जगह नदी की जलधारा में उतारकर मौरम के पहाड़ बनाने में जुटी हुयी है। सिकरी व्यास पट्टाधारक के क्रियाकलापों की जानकारी मिलने पर मीडिया टीम ने जब मौरम खंड की जमीनी हकीकत की तस्वीरें अपने कैमरे में कैद की तो टीम स्वतः ही हैरान रह गयी।

क्योंकि मौरम पट्टा हासिल करने के दौरान पट्टाधारक इस बात का शपथ पत्र देता है कि नदी की जलधारा से मौरम खनन नहीं करेगा साथ ही नदी की जलधारा से तीन मीटर की दूरी से ही मौरम खनन किया जायेगा।

शाम ढलने के बाद मौरम का खनन किसी सूरत में नहीं किया जायेगा। लेकिन यह सभी नियम पट्टाधारक के सामने बेमानी साबित हो रहे हैं। पट्टाधारक ऐसे सभी नियमों की धज्जियां उड़ाकर मौरम का खनन कराने में जुटा हुआ है। तो किसानों की निजी भूमि व परती भूमि से भी बेखौफ तरीके से मौरम खनन कराने से नहीं चूक रहा है। पट्टाधारक के क्रियाकलापों की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचने के बाद भी अब तक चुप्पी सांधे रखना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रही है।

सवाल यह उठता है कि पट्टाधारक के अवैध कृत्यों को अनदेखा करने के पीछे जिम्मेदार अधिकारियों की कैसी मजबूरी हो सकती है यह तो वह स्वयं ही बता सकते हैं। लेकिन जिस तरीके से सिकरी व्यास में पट्टाधारक की खामियों को अनदेखा किया जा रहा है उससे एक बात तो साफ है कि इससे शासन को राजस्व का करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है।

योगी ने प्रदेश में कोविड-19 की 98 प्रतिशत से अधिक रिकवरी दर पर संतोष व्यक्त किया

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोविड-19 की 98 प्रतिशत से अधिक रिकवरी दर पर संतोष व्यक्त करते हुए कोविड-19 से बचाव व उपचार की व्यवस्थाओं को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोरोना के सम्बन्ध में प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सावधानी बरती जाए, इस सम्बन्ध में थोड़ी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कोविड-19 के वैक्सीनेशन कार्य को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह प्राथमिकता है कि अधिक से अधिक लोग कोरोना वैक्सीन का लाभ प्राप्त करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन लगाए जाने के सम्बन्ध में सूचित करने के लिए जनपदों में स्थापित इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का उपयोग किया जाए। उन्होंने कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान को भारत सरकार के दिशा-निर्देशों तथा क्रम के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विभिन्न प्रचार माध्यमों के साथ-साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक उपयोग किया जाए। कोविड-19 की टेस्टिंग का कार्य पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस सिस्टम को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बीएसएल-4 लैब स्थापित किये जाने पर बल दिया

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बी0एस0एल0-4 लैब स्थापित किये जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल खण्ड में टेस्टिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए राज्य में बी0एस0एल0-3 स्तर की लैब्स स्थापित की गई। इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए बी0एस0एल0-4 लैब की स्थापना किया जाना आवश्यक है। उन्होंने इस सम्बन्ध में कार्य योजना बनाकर समयबद्ध ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था सुचारु ढंग से संचालित की जाएं। जनरल ओ0पी0डी0, सर्जरी सहित विभिन्न चिकित्सा कार्य पूरी गति से किये जाएं। उन्होंने लखनऊ के ट्रॉमा सेन्टरों में बेड्स की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड की आपदा के पीड़ित परिवारों को हर सम्भव राहत उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को हर सम्भव मदद व राहत उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन के अधिकारीगण पीड़ित परिवारों से सम्पर्क बनाकर इनकी सहायता करें। आवश्यकतानुसार खाद्यान्न सहित अन्य राहत सामग्री प्रभावितों को उपलब्ध कराएं। बैठक में मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 'प्रगति' की समीक्षा बैठक आयोजित

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का 98 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्णः मुख्य सचिव

लखनऊ। प्रधानमंत्री के समीक्षा बिन्दुओं 'प्रगति' की समीक्षा बैठक मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, जगदीशपुर-हल्दिया एवं बोकारो-धाम्रा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के सम्बन्ध में बताया गया कि प्रोजेक्ट की लंबाई 82.047 किमी व लागत 6091.57 करोड़ रुपये है। उक्त प्रोजेक्ट को 28 फरवरी, 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य है तथा अब तक 98 प्रतिशत भौतिक प्रगति हो चुकी है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत 5 दीर्घपुल, 19 लघुपुल, 08 फ्लाईओवर्स तथा 03 आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। एक्सप्रेसवे का निर्माण 04 पैकेजेज में किया जा रहा है, जिसमें पैकेज-1 एवं पैकेज-3 का कार्य पूरा किया जा चुका है। पैकेज-2 एवं पैकेज-4 की भौतिक प्रगति क्रमशः 94.41 प्रतिशत एवं 97.56 प्रतिशत है। मुख्य सचिव ने अवशेष कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुये जिलाधिकारी गाजियाबाद एवं एनएचएआई को तत्परता से आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। जगदीशपुर-हल्दिया एवं बोकारो-धाम्रा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट के बारे में बताया गया कि उत्तर प्रदेश के अंतर्गत मुख्य लाइन फूलपुर प्रयागराज से चन्दौली लम्बाई 160 किमी एवं वाराणसी से गोरखपुर लम्बाई 166 किमी को पहले ही पूरा किया जा चुका है तथा इसमें अपने प्रदेश से सम्बन्धित कोई इश्यू शेष नहीं है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि इसमें 01 इश्यू था, जिसका निस्तारण कर दिया गया है और अब कोई भी प्रकरण निस्तारण हेतु शेष नहीं है। बैठक में अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास अरविंद कुमार, अपर मुख्य सचिव राजस्व सुश्री रेणुका कुमार, एमडी जल निगम अनिल कुमार सहित आवास विकास परिषद, लोक निर्माण विभाग, ग्राम्य विकास, नियोजन, एनएचएआई आदि से सम्बन्धित अधिकारीगण तथा वीडियोकान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जिलाधिकारी गाजियाबाद सहित नोएडा एवं मेरठ के सम्बन्धित अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने के नाम पर समाज में नफरत फैलाई जा रहीः कुरील

लखनऊ

राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के संयोजक पी सी कुरील, ने आज किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि 78 वां किसान आंदोलन उग्र हो रहा है, सरकार किसान आंदोलन नेतृत्व को आंदोलन जीवी एवं पर जीवी जैसे शब्दों से सम्मानित किया है। सरकार अपने आप में देखना चाहिए कि प्रदेश सरकारों का व्यवहार लोगों के प्रति क्या है। नेतृत्व एवं लोगों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही, बलात्कारियों एवं अपराधियों को सरकारी संरक्षण मिल रहा है। केंद्र सरकार बड़े से बड़े अपराधी एवं दंगा श्रजित करने वालों को संरक्षण मिल रहा है। 562 रियासतों का समन्वय धर्मों-जातियों-समुदायों-भाषाओं रहन सहन कलचर शादी संबंधों की स्वतंत्रता हैं। संविधान में सभी की बराबरी एवं प्राकृतिक संसाधन में हिस्सेदारी बनें, किसी भी विचार में सभी को जबरदस्ती एवं बल पूर्वक समाहित करना अपराध है। संविधान विरोधी कार्य है, हिन्दू राष्ट्र की कल्पना अपराध की श्रेणी में आता है। देश में लोगों के प्रतिनिधियों से संविधान निर्मित सबको अनुपालन एवं निर्मित सरकार को अनुपालन कराना है। उदारीकरण नीति देश और संविधान को चोट पहुँचाने वाले लोगों पर लागू नहीं होने देना है। राष्ट्रीय भगीदारी आंदोलन राष्ट्र की समस्त प्रकार की शक्तियों को जोड़ कर सर्वोच्च शक्ति करना। साझे का दुःख साझे का सुख साझे का स्वपन इसे मानव कल्याण एवं मानव विकास में परिवर्तित करना, मानव प्रतिनिधत्व प्रत्येक स्तर पर विधायिका, न्यायपालिका, प्रशासन और मीडिया, सेना सुरक्षा कल कारखाना प्राकृतिक संसाधन में भागीदारी स्थापित करने का नाम राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन है। इसे साकार करने के लिए मानव शक्ति बनाना ही देश के लोगों को इकठ्ठा करना, मानव सदस्यता निर्मित करना और सदस्यता नेटवर्किंग तरीके से संविधान को मानने वाले और साथ चलने वाले लोगों को आसानी से सदस्य बनाया जा सकता है। संस्था से कोड न0 लेकर सदस्य केवल 50 सक्रीय सदस्य बनाएगा तब उनमे से प्रत्येक सक्रीय सदस्य दस सदस्य से 250 सदस्य तक बनाएगा और कोड न0 प्राप्त नेता पांच नेता कोड न0 युक्त बनाएगा। इस प्रकार पुरे देश में सदस्य बना कर विकृत व्यवस्था को समाप्ति की ओर ले जाएगी। इस प्रकार लोग बाबा साहब के सिद्धांत प्रतिनिधत्व से करके अपने तक सीमित रह जाते हैं। इसे चलाये रखने के लिए लोगों में लाभ पहुँचाने की प्रवृति बनायें। नेतृत्व देने वाले लोग मैन पावर के साथ रुपया की प्रवृति बने, रुपया एक हजार प्रति नेतृत्वकर्ता सदस्यता और सक्रीय कार्यकर्ता रुपया 100/= और साधारण सदस्य रुपया 20/= देकर अपने संस्था का परिचय पत्र प्राप्त करेगा। जो मल्टीलेवल कार्य संपादन का सहायक बनेगा। जैसे नागरिकता, किसान समस्या प्रत्येक प्रकार की, भूमि हिस्सेदारी, पूंजीवादी (निजीकरण) को समाप्त करना या प्रशासक न्युक्त करना, कार्य लगातार चलता रहे, प्रत्येक को कार्य आधारित वेतन और संसाधन प्राप्त कराने की व्यवस्था है। जो संगठन में कार्यकर्ता बन चुके हैं, उन्हें कार्य से बनाये रखने के लिए कोड न0 प्राप्त नेतृत्व कार्य बनाये रखना तथा लोगों की आवश्यकता पूर्ति करना साथ ही रुपया एक हजार से रुपया बीस हजार तक जमा कर दो वर्ष से 6 वर्षों में रुपया दोगुना से दस गुना प्राप्त करें। इस प्रकार कार्यकर्ता लोगों को कार्य मिल जायेगा, प्रत्येक प्रकार से शक्ति को बड़ी करना है, जिससे देश-मानव विरोधी शक्ति का अंत हो तब मानव हितार्थ शक्ति का उदय होगा।

रालोद ने मनाया अजित सिंह का जन्मदिन

लखनऊ ।

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान स्वाभिमान के प्रतीक चौ अजित सिंह का 82वां जन्मदिवस सादगी के साथ राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय पर मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने चौ अजित डोभाल के जन्मदिन का केक काटा और पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जन्मदिवस की बधाई दी। इस अवसर बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे सभी ने एक दूसरे को बधाई दी और चौ अजित सिंह जिंदाबाद के नारे लगाये। इस अवसर पर उपस्थित पार्टीजनों को सम्बोधित करते हुये अनिल दुबे ने कहा कि चौ अजित सिंह का सम्पूर्ण जीवन किसानों की सेवा करते हुये व्यतीत हो रहा है और आज भी किसान हितों के प्रति सचेत रहते हुये समय समय पर किसानों की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजित सिंह का संदेश गांव गांव पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को प्राण प्रण से जुटना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी, वरिष्ठ नेता संतोष यादव, डॉ0 सुरेश यादव, रजनीकांत मिश्रा, मनोज सिंह चौहान, बीएल प्रेमी, रमावती तिवारी, रामदीन भारती, युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल, युवा रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित अग्रवाल, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकुर सक्सेना, छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक सिंह चौहान, व्यवस्थाधिकारी इकराम सिंह, जिलाध्यक्ष जगदीश रावत, महानगर अध्यक्ष चन्द्रकांत अवस्थी, अष्विनी प्रताप सिंह, गोविंद सिंह बेबी, शफीक सिददीकी, अजय सिंह आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

एक नज़र में

लखनऊ फेस्टिवल का समापन

लखनऊ । सूर्या महिला जन कल्याण समिति, लखनऊ द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय लखनऊ फेस्टिवल के अंतर्गत नवीनतम नाटय प्रस्तुति अतः किम् का मंचन आज संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में किया गया। इस भव्य लखनऊ फेस्टिवल के समापन के मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र तिवारी विधायक कैंट ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन रमा जायसवाल और इस नाटक का निर्देशन विवेक मिश्रा विष्णु द्वारा किया गया। 'अतः किम् ' के संवाद, पात्रों के क्रिया-व्यापार और रंगमंचीय उपकरण मे अद्भुत बैलेंस हैं। नाटक के प्रारम्भ में नायक पूछता है-'मैं किधर जाऊँ' और नाटक के अन्त में भी' बतलाइए आप ही लोग मुझे क्या करना चाहिए? 'इन दो अनुत्तरित प्रश्नों के बीच नायक मनोहर और उसके परिवार की छटपटाती जिन्दगी है और है उनकी दम तोड़ती ख्वाहिशें। नायक आर्थिक तंगी से घिरा है। उसकी इच्छा है कि पत्नी रत्ना, भाई सुधीर और बेटी मोहिनी की चाहतों को पूरा करे, मगर राजनैतिक और आर्थिक स्थितियाँ नायक मनोहर को ' स्पेस' नहीं देती। मुख्य भूमिका में मनोहर, राहुल मिश्रा, रत्ना-हर्षिता सक्सेना, सुधीर- शिवम सिंह, वीरेन, रविन्द्र यादव ,मोहिनी- शिवानी यादव ,मास्टर साहब- अनुपम मिश्रा ,पोस्ट मैन, देवव्रत, दर्शक, अनुपम मिश्रा ,ऑफिस क्लर्क- इन्द्रेश, विकास, अन्य-देवव्रत, आर्यन, विकास, दिव्याँशू एंकरिंग, हिमांशु, वेशभूषा, रुचिका,सूर्या,वर्षा, स्टेज, सत्यवान, मेकअप,शिवकुमार, लाइट, तमाल बोस, म्यूजिक, युवराज, हिमांशु, प्रेक्षाःग्रह , सत्यनारायण। दर्शको ने आम आदमी के संघर्षों और ख्वाशिओं के जस्बात में फसे हुए परिवार को छूता नाटक बहुत दिनों बाद देखा है। नाटक एक आम आदमी पर बीत रही मानसिक प्रतारणा को दर्शाने में सक्षम रहा।

परिवर्तित मार्ग से चलेगी रेलगाड़ियां

लखनऊ । उठरेटिया-सुल्तानपुर-जाफ़राबाद रेल खंड में सिमित ऊँचाई के सब-वे के निर्माण के लिए परिचालन सम्बन्धी कारणों से निम्नलिखित रेलगाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाया एवं विनियमित किया जायेगा, दिनांक 12.02.2021 को अपने आरंभिक स्टेशन से चलने वाली रेलगाड़ी संख्या 02238 बेगमपुरा स्पेशल एक्सप्रेस दिनांक 13.02.2021 को लखनऊ मंडल में अपने निर्धारित मार्ग लखनऊ,सुल्तानपुर,वाराणसी के स्थान पर लखनऊ,प्रतापगढ़-वाराणसी के रास्ते अपने गंतव्य को जाएगी स दिनांक 12.02.2021 को अपने आरंभिक स्टेशन से चलने वाली रेलगाड़ी संख्या 02370 देहरादून-हावड़ा सुपर फास्ट स्पेशल दिनांक 13.02.2021 को लखनऊ मंडल में अपने निर्धारित मार्ग लखनऊ,सुल्तानपुर,वाराणसी के स्थान पर लखनऊ, प्रतापगढ़-वाराणसी के रास्ते अपने गंतव्य को जाएगी, रेलगाड़ी संख्या 02237 बेगमपुरा स्पेशल एक्सप्रेस अपने आरंभिक स्टेशन वाराणसी से दिनांक 13-02-2021 को निर्धारित प्रस्थान समय 12.40 बजे चल के मार्ग में 40 मिनट विनियमित की जायेगी।

उत्तर प्रदेश में एससी, एसटी, ओबीसी श्रेणी के कैदियों की संख्या सबसे अधिकः दारापुरी

लखनऊ ।

राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने यह जानने की कोशिश की कि क्या देश की जेलों में अधिकांश कैदी दलित और मुसलमान हैं, उनकी संख्या पर एक श्रेणी-वार ब्रेक-अप और सरकार उन्हें पुनर्वास और शिक्षित करने के लिए क्या प्रयास कर रही है। राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, ओबीसी, एससी और अन्य श्रेणियों के कैदियों की अधिकतम संख्या उत्तर प्रदेश की जेलों में थी, जबकि मध्यप्रदेश की जेलों में एसटी समुदाय की। देश के कुल 4,78,600 जेल कैदियों में से 3,15,409 या 65.90 प्रतिशत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों के हैं, जो सरकारी आँकड़े बुधवार को संसदमें प्रस्तुत किए गए हैं। गृह राज्य मंत्री किशन रेड्डी द्वारा प्रस्तुत जेल के आंकड़े 31 दिसंबर, 2019 तक अपडेट किए गए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा आंकड़ों के संकलन पर आधारित थे। रेड्डी की लिखित प्रतिक्रिया के अनुसार, देश भर में जेलों में 4,78,600 कैदी थे, जिनमें से 3,15,409 (65.90 प्रतिशत) एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियों के थे, जबकि 1,26,393 अन्य समूह के थे। आंकड़ों के विस्तृत परीक्षण से पता चला है कि 1,62,800 कैदी (34.01 प्रतिशत) ओबीसी श्रेणी के थे, 99,273 (20.74 प्रतिशत) एससी वर्ग के और 53,336 (11.14 प्रतिशत) एसटी वर्ग के थे। देश की कुल 4,78,600 जेल कैदियों में से, 4,58,687 (95.83 प्रतिशत) पुरुष और 19,913 (4.16 प्रतिशत) महिलाएं थीं, जो आंकड़े दिखाते हैं। कुल 19,913 कैद महिलाओं में से 6,360 (31.93 प्रतिशत) ओबीसी श्रेणी की थीं, जबकि 4,467 (22.43 प्रतिशत) अनुसूचित जाति, 2,281 (11.45 प्रतिशत) एसटी और 5,236 (26.29 प्रतिशत) अन्य श्रेणी में थीं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, उत्तर प्रदेश में कैदियों की कुल संख्या सबसे अधिक थी- 1,01,297 (या देश की कुल जेल कैदियों की 21.16 प्रतिशत)- इसके बाद मध्य प्रदेश (44,603) और बिहार (39,814) हैं। आंकड़ों के अनुसार, ओबीसी, एससी और अन्य श्रेणियों के कैदियों की अधिकतम संख्या उत्तर प्रदेश की जेलों में थी, जबकि मध्य प्रदेश की जेलों में एसटी समुदाय की। कैदियों को शिक्षित और पुनर्वासित करने के केंद्र के प्रयासों पर हुसैन के प्रश्न का जवाब देते हुए, रेड्डी ने कहा कि जेलों और हिरासत में लिए गए लोगों का प्रशासन और प्रबंधन संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारियां हैं।

हालांकि, इस संबंध में राज्यों के प्रयासों को पूरा करने के लिए, गृह मंत्रालय ने मई 2016 में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक मॉडल जेल मैनुअल प्रसारित किया था, जिसमें जेल के कैदियों के पुनर्वास और शिक्षा जैसे कैदियों की शिक्षा व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम, कैदियों का कल्याण, रिहाई के बाद की देखभाल और पुनर्वास आदिपर अध्यायों रखा गया है।

वी ने यूपी में गीगानेट 4जी नेटवर्क क्षमता का विस्तार किया

लखनऊ ।

वी ने उत्तरप्रदेश के 7 शहरों म 3जीं स्पैक्ट्रम का 4जी में रीफ्रेम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे इन शहरों में गीगानेट 4जी क्षमता का विस्तार होगा। सर्कल में 2100 मैगाहट्र्ज के 5 मैगाहट्र्ज के डिप्लॉयमेन्ट के मद्देनजर यह विकास कार्य किया जाएगा।

जिसका अर्थ यह है कि राज्य में वी के उपभोक्ता बेहतर इंडोर कवरेज के साथ-साथ ज्यादा डाउनलोड और अपलोड स्पीड का आनंद उठा सकेंगे। 3जी स्पैक्ट्रम क 4जी में माइग्रेशन द्वारा मौजूदा 4जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाया जाएगा, जिससे वी गीगानेट 4जी यूपी में बेहतर कवरेज, नेटवर्क गुणवत्ता और ज्यादा टैऊफिक क्षमता के साथ तीन गुना फायदे देगा। ब्रॉडबैण्ड टेस्टिंग और वेब-आधारित नेटवर्क डायग्नॉस्टिक ऐप्लीकशन में ग्लोबल लीडर ओखला ने वी के गीगानेट को उत्तरप्रदेश सहित भारत का सबसे तेज 4जी नेटवर्क बताया है।

वी के उपभोक्ता 4जी हैण्डसेट में 4जी सिम के इस्तेमाल पर सबसे तेज 4जी आनंद ले सकेंगे। वी क 3जी उपभोक्ता बिना किसी शुल्क के अपने सिम को 4जी में अपग्रेड कर सकते हैं और उत्तरप्रदेश के सबसे तेज 4जी का आनंद ले सकते हैं। यूपी में वी के 3जी उपभोक्ता घर बैठे यह अपग्रेड कर सकते हैं और घर पर 4जी सिम की फ्री डिलीवरी पा सकते हैं। सिम अपग्रेड हेल्पलाईन 95659 99992 पर कॉल करके इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

पिछले साल के दौरान उपभोक्ता के व्यवहार में जबरदस्त बदलाव आया है। जहां एक ओर डेटा की मांग कई गुना बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर टेलीकॉम नेटवर्क डिजिटल सोसाइटी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इसके चलते कमर्शियल एवं रिहायशी इलाकों में 24ध7 हाई-स्पीड मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की मांग बढ़ी है। 3जी को 4जी में रीफ्रेम करने की प्रक्रिया से वी स्पैक्ट्रम का अनुकूल उपयोग कर सकेगा और यूपी में स्मार्टफोन ग्राहकों एवं उद्यमों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेगा।

कोई भी देश सांप्रदायिक दंगों और भड़काऊ भाषण से नहीं चलता

लखनऊ

राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने आज यहां जारी एक बयान में,केंद्र और राज्य सरकारों की आलोचना की और कहा कि देश भर में महंगाई बढ़ रही है। अगला इलेक्शन कैसे जीता जाए इसका तो फिक्र है लेकिन पिछले इलेक्शन में उन्होंने जनता से जो वादे किये थे उसमे से कितना पुरे किये इसकी फिक्र नहीं है । उन्होंने कहा कि आज देश में सांप्रदायिक दंगे और बदमाश बेलगाम है जनता अगले चुनाव में सरकार से निश्चित रूप से यह सवाल पूछेगी। क्यूंकि जनता ने बाबा रामदेव के भाषण पर यकीन किया कि गैस और पेट्रोल के दाम काम होंगे और और 15 लाख रुपये हर नागरिक के खाते में आएंगे, युवाओं को 20 मिलियन नौकरियां मिलेंगी। मोहम्मद आफाक ने कहा कि ऐसा कुछ भी है। संविधान और लोगों के भरोसे का कत्ल किया गया है। क्योंकि आज पेट्रोल की कीमतें 87 रुपये तो डीजल का दाम भी आसमान छू रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। फिर यह युवाओं को रोजगार कैसे प्रदान किया जाए, इस पर कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं।

मिशन शक्ति के तहत गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर किया जाएगा कन्याओं का सम्मान

लखनऊ, । गुप्त नवरात्र देवी के साप्ताहिक दिन शुक्रवार 12 फरवरी से शुरू हो गए। यह गुप्त नवरात्र चर्चा से ज्यादा साधना के प्रतीक होते हैं। ऐसे में पहली बार सनातन रक्षादल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल की अगुआई में निराला नगर के प्रतिष्ठित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में गुप्त नवरात्र अनुष्ठान के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कन्याओं का अष्टमी पर पूजन और सम्मान किया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज को बेटी सम्मान का संदेश देना है। गोपालदास बालमुकुंद अग्रवाल द्वारा स्थापित वाटिका में नरोत्तमदास, ज्वाला प्रसाद अग्रवाल, आशीष अग्रवाल द्वारा विकसित और संरक्षित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें तोह्फे भी दिये जाएंगे।

100 नही 73 दिन में लक्ष्य तक पहुँचें उमा सिंह लखनऊ से शुरू की थी साईकिल यात्रा

ऐसा जज्बा ऐसा जुनून न ठन्ड की परवाह न बरसात का डर जंगली रास्तो पर बढ़ता गया लक्ष्य की ओर

लखनऊ ।

कुछ कर गुजरने के लिए हिम्मत लगन और हौसले से बढ़ कर कोई संसाधन नही होता ये साबित कर दिया है उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले 25 वर्षीय पवर्तारोही उमा सिंह ने मात्र 73 दिनो के अन्दर साईकिल से 12 हजार किलो मीटर का सफर तय करके भारत के 28 राज्यो की राजधानी का भ्रमण करने का अपना लक्ष्य गुरूवार को पूरा कर लिया। 30 नवम्बर 2020 को उनवल गोरखपुर के रहने वाले किसान बैजनाथ के 25 वर्षीय पुत्र उमा सिंह ने लखनऊ के अटल चौक से अटल इरादो के साथ ग्रीन इन्डिया क्लीन इन्डिया और महिला सशक्तिकरण का सन्देश लेकर 12 हजार किलो मीटर की अपनी साईकिल यात्रा सुबह का सूरज उगने के साथ शुरू की थी। 30 नवम्बर को उमा सिंह ने 12 हजार किलो मीटर 28 राज्यो की यात्रा तय करने के लिए पूरे 100 दिनो का लक्ष्य निर्धारित किया था लेकिन अटल इरादो के साथ अटल चौक से साईकिल पर सवार होकर भारत भ्रमण के लिए निकले उमा सिंह ने 12 हजार किलो मीटर का अपना साईकिल का सफर मात्र 73 दिनो मे ही पूरा कर लिया। जुनून से लबरेज उमा सिंह अपनी निरन्तर यात्रा के आखरी पड़ाव अरूणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर गुरूवार की शाम साईकिल से पहुँचा और उसने भारत की माटी को चूम कर अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया। अरूणाचल प्रदेश की राजधानी पहुँचे पर्वतारोही साईकिलिस्ट उमा सिंह का ईटानगर के लोगो ने जोरदार स्वागत किया और उसे फूल माला पहना कर कड़ी मेहनत के साथ 73 दिनो मे 12 हजार किलो मीटर का साईकिल से कामयाब सफर पूरा करने के लिए बधाईया दी और लडडू खिला कर उसे गले से लगाया। इन्डिया बुक आफरिकार्ड मे अपना नाम दर्ज कराने की जददो जेहद में 73 दिनो की इस यात्रा मे उमा सिंह के सामने एक नही बल्कि अनेक कठिनाईयां सामने आई लेकिन सच्ची लगन और कुछ कर गजरने के जज्बे से लबरेज उमा सिंह ने पीछे मुड़ कर नही देखा और वो अपने लक्ष्य की तरफआगे बढ़ता चला गया। उमा सिंह ने ये साबित कर दिया कि कुछ कर गुजरने के लिए संसाधनो से ज्यादा महत्वपूर्ण इन्सान का हौसला होता है। 73 दिनो की कड़ी मेहनत के बाद इटानगर पहुँचे उमा सिंह का कहना है कि 12 हजार किलो मीटर के उसके इस साईकिल के सफर के दौरान उसने न सिर्फभारत की खूबसूरत को करीब से देखा बल्कि भारत के विभिन्न राज्यो मे रहने वाले विभिन्न लोगो से उसकी मुलाकात हुई और उसे रास्ते मे लोगो का अपार प्रेम और आशिर्वाद मिला । उमा सिंह का कहना है कि जब जब उसकी हिम्मत ने जवाब देना चाहा तब तब रास्ते मे मिले लोगो ने उसका हौसला बढ़ा कर उसके अन्दर नई उर्जा पैदा की जिसकी वजह से वो अपने लक्ष्य को पूरा कर पाया।

इन्डिया बुक आफरिकार्ड मे नाम दर्ज कराने की करेगा उमा सिंह करेगा आवेदन

उमा सिंह द्वारा भारत के 28 राज्यो की राजधानी साईकिल से पहूँचने के लिए 12 हजार किलो मीटर का सफर 100 दिनो के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया था लखनऊ के अटल चौक से निकले उमा सिंह ने इन्डिया बुक आफ रिकार्ड मे अपना नाम दर्ज कराने के लिए अपने सफर के दौरान सभी नियमो का पालन किया और अपना लक्ष्य समय से पहले पूरा करने वाले उमा सिंह अब अपने सफर से सम्बन्ध्धित सभी दस्तावेज इन्डिया बुक आफ रिकार्ड मे दर्ज कराने के लिए आवेदन पेश करेगे। सफर के दौरान उमा सिंह की साईकिल जीपीएस सिस्टम से लैस थी और वो अपने सफर के एक एक दिन की पूरी रिपोर्ट सोशल मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक के द्वारा पूरी दुनिया के सामने रखते भी रहे । सफर के दौरान उमा सिंह दुर्गम रास्तो की तस्वीरे और वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार अपलोड करते रहे । उमा सिंह फेसबुक के जरिए ये भी रोज बताते थे कि आज उन्होने साईकिल से कितने किलो मीटर का सफर तय किया और उन्हे रास्ते मे किन किन कठिनाईयो का सामना करना पड़ा। उमा सिंह ने अपने 12 हजार किलो मीटर के सफर का पूरा ब्योरा एकत्र करते हुए उसे सुरक्षित रख्खा है।

संपादकीय

लौटने लगे कामगार

लॉकडाउन की वजह से बड़ी संख्या में कामगारों को वापस अपने गांवों का रुख करना पड़ा था. मंदी से जूझती अर्थव्यवस्था को देखते हुए पहले यह आशंका भी जतायी जा रही थी कि रोजगार के अभाव में उनका शहरों में लौटना मुश्किल होगा. इस रिवर्स पलायन में लगभग एक करोड़ कामगार बेबसी में गांव लौटे थे. लेकिन लॉकडाउन के हटते जाने के साथ उत्पादन, निर्माण और कारोबार के गति पकड़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बड़े हो रहे हैं।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने संसद को जानकारी दी है कि अधिकतर कामगार लौट आये हैं और उन्हें काम भी मिल रहा है. निश्चित रूप से यह उत्साहवर्धक सूचना है. कुछ महीनों से आर्थिक वृद्धि दर में सुधार है और विभिन्न सूचकांक इंगित कर रहे हैं कि जल्दी ही अर्थव्यवस्था कोरोना पूर्व स्थिति में पहुंच जायेगी. देश में 10 करोड़ कामगार संगठित क्षेत्र में हैं तथा 40 करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं. लॉकडाउन और अर्थव्यवस्था में संकुचन की सर्वाधिक मार असंगठित क्षेत्र पर ही पड़ी है, लेकिन संगठित क्षेत्र में भी नौकरियां घटी हैं. कुछ महीने से बेरोजगारी दर में भी कमी हो रही है. इससे पता चलता है कि रोजगार मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है. सरकार असंगठित क्षेत्र के कामगारों को संगठित क्षेत्र में जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

इसके अलावा छोटे स्व-रोजगार में लगे या अनियमित मजदूरी से जीविकोपार्जन करनेवाले लोगों को पेंशन, बीमा और अन्य कल्याण कार्यक्रमों से जोड़ने की दिशा में भी काम हो रहा है. ऐसे कामगार बेहद कम वेतन और बिना सामाजिक सुरक्षा के काम करते हैं, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा दारोमदार इन्हीं के कंधे पर है. संगठित क्षेत्र भी अपने उत्पादन व वितरण के लिए असंगठित क्षेत्र पर निर्भर करता है. इस स्थिति में इनके कल्याण के लिए कार्यक्रमों और योजनाओं की दरकार है. कोरोना संकट के दौरान सरकार ने राहत देने के लिए ग्रामीण रोजगार बढ़ाने में पहल की थी ताकि लौटे हुए श्रमिकों को गांव में या आसपास काम मिल सके. इसके अलावा सस्ती दर पर राशन की व्यवस्था भी की गयी थी, जिससे लगभग 80 करोड़ लोगों को लाभ हुआ था. उम्मीद है कि रोजगार गारंटी योजना के साथ जीविका, कौशल और ऋण उपलब्धता से संबंधित पहलों से ग्रामीण भारत की आर्थिकी में बेहतरी आयेगी.

इससे विवशता में होनेवाले पलायन को भी रोकने में मदद मिलेगी. प्रवासी कामगारों के जल्दी नहीं लौटने से कुछ क्षेत्रों में नकारात्मक असर भी हो रहा है. इन श्रमिकों में कई अपने काम में अच्छा अनुभव और कौशल रखते हैं. गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से फलों और संबंधित उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्यात होता है. लेकिन फिलहाल 30 फीसदी कामगारों के नहीं लौटने से कारोबार में गिरावट की आशंका है. बहरहाल, यह वित्त वर्ष संकटग्रस्त रहा है और आशा है कि आगामी वर्ष से सकारात्मक वृद्धि की राह हमवार होगी।

सजा काटकर शशिकला की जेल से वापसी

दिवंगत सर्वोच्च नेता सुश्री जयललिता की विश्वासपात्र शशिकला की जेल से वापसी हो चुकी है। सोमवार को बेंगलुरु से चेन्नई जाने की उनकी यात्रा 17 घंटे की रही और वह एक शानदार यात्रा थी। कई केंद्रों पर सभी रस्मी स्वागत और भीड़ के जश्न के बीच, उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की चुनावी योजनाओं को लेकर एक मजबूत राजनीतिक संदेश दिया। शशिकला ने कहा कि वह सक्रिय राजनीति में होंगी, यानी निष्कासित महासचिव नहीं, और पार्टी को आम दुश्मन के खिलाफ, अप्रैल-मई में 2021 विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एकजुट होकर लड़ना चाहिए। यह शशिकला को राजनीतिक रूप से शत्रुतापूर्ण इकाई के रूप में अलग करने के सत्तारूढ़ दल के दृष्टिकोण को चुनौती देता है। मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी, जो पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने एआईएडीएमके के तीसरे कार्यकाल के लिए अपने आत्मविश्वास का अनुमान लगाया है, के बारे में उनकी अंतर्निहित चिंताएं थीं कि जेल से रिहाई के बाद शशिकला की क्या भूमिका हो सकती है। वह भाजपा के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन से संबंधित मामलों पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के साथ परामर्श के लिए दिल्ली पहुंचे थे, इसके बाद उन्होंने अन्नाद्रमुक में शशिकला के लिए किसी भी प्रकार से समंजित करने का मजबूती से इंकार किया। पहले कदम के रूप में, सरकार ने अपनी कार पर शशिकला द्वारा पार्टी के झंडे के इस्तेमाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की (जैसा कि उसने 8 फरवरी को किया था)। दूसरे, कलेक्ट्रेट को उनके रिश्तेदारों की संपत्ति को जब्त करने के लिए निर्देशित किया गया था, जिन्होंने उनके साथ जेल की सजा भी काटी थी। यह 2017 में विवादित संपत्ति मामले में अदालत के आदेश में निर्देशित किया गया था। एआईएडीएमके ने दोहराया कि शशिकला और उनके लोगों के साथ पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है और पार्टी के झंडे का इस्तेमाल करना उनके लिए अवैध है। दूसरी बार शशिकला ने यह दुहराया कि उनका भविष्य पार्टी के कल्याण के लिए समर्पित होगा। अम्मा ने कहा था कि वह 100 साल तक शासन करेगी और अम्मा के एक कथन को पूरा करने के लिए वे एआईएडीएमके के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा, अपनी दृष्टि को जारी रखने के लिए, मैं अपने जीवन के शेष दिनों को पार्टी के कल्याण के लिए समर्पित कर दूंगीश। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे दुश्मन फिर से सत्ता में न आए, यह मेरा उद्देश्य है। हमें आगामी चुनाव जीतना चाहिए और अपनी अम्मा को जीत समर्पित करनी चाहिए। शशिकला से उम्मीद की जाती है कि जब वह मीडिया से मिलेंगी तो अपनी योजनाओं को विस्तार से बताएंगी।

उनकी यात्रा के दौरान रिसेप्शन में बड़ी संख्या में सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य भाग ले रहे थे। तमिलनाडु में एआईएडीएमके सरकार अब बीजेपी के साथ गठबंधन कर रही है, जिसके अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में चेन्नई का दौरा किया और उन्होंने राज्य स्तर की बीजेपी को दक्षिण में राष्ट्रीय पार्टी की महत्वपूर्ण उपस्थिति के लिए धकेलने की योजना के साथ अच्छी तरह से संगठित होने को कहा। श्री पलानीस्वामी और उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के लिए शशिकला की वापसी के बाद असंतुष्टों के साथ पार्टी में सामंजस्य सुनिश्चित करना बेहद कठिन है। श्री पलानीस्वामी ने एक प्रमुख फसल ऋण माफी (10,000 करोड़ रुपये से अधिक) की घोषणा की है, जिसे डीएमके और कांग्रेस ने राजनीतिक स्टंट के रूप में खारिज कर दिया है और जिसका उद्देश्य एआईएडीएमके के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाना है। मोदी सरकार ने तमिलनाडु के लिए विशेष संदर्भ के साथ, एक बड़े रोडवेज कार्यक्रम के लिए प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री 14 फरवरी को मेट्रो और अन्य परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं और पार्टी के अभियान की शुरुआत भी एआईएडीएमके के सहयोगी के रूप में कर रहे हैं। विपक्ष के नेता, डीएमके, एम के स्टालिन निर्वाचन क्षेत्रों का गहन दौरा कर रहे हैं और पहले 100 दिनों के भीतर उनकी जरूरतों, मांगों और अनुरोधों पर समयबद्ध कार्रवाई के वादे किए हैं। एआईएडीएमके सरकार के खिलाफ लोगों के गुस्से का फायदा उठाते हुए ग्राम मक्कल सभाओं में पुरुषों और महिलाओं की स्वैच्छिक भागीदारी के साथ, वह डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए एक शानदार जीत समझ सकते हैं।

गंभीरता खोता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

- पद्मश्री अरूप कुमार दत्ता

प्रिंट मीडिया की समस्या प्रकाशनों की संख्या बढ़ने और मीडिया मुगल बनने की चाहत लिये आये नये खिलाड़ियों की वजह से गंभीर होती गयी। राजनेता और कंपनियां प्रिंट व टीवी मीडिया में अपना हिस्सा हासिल कर अपने हितों को साधने की प्रक्रिया में लग गये। इससे विश्वसनीयता में सेंध लगने का एहसास होता है। दशकों से विवेकपूर्ण पत्रकारिता के आधार पर अपनी साख बनानेवाले मीडिया संस्थानों को अभी-अभी आये उन खिलाड़ियों से चुनौती मिलने लगी, जो सुर्खियों के आकार के आधार पर खबर के महत्व को देखते थे।

आजादी के तुरंत बाद के दौर में खबरों के दो माध्यम थे- प्रिंट मीडिया और रेडियो. हमारे देश में रेडियो, जिसे आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) कहा जाता है, सरकार के नियंत्रण में था. हमारे रेडियो की विश्वसनीयता इतनी कम थी कि अधिकतर लोग अहम खबरों का सच जानने के लिए बीबीसी का रुख करते थे. आकाशवाणी का यह पतन आपातकाल के दौरान अपने चरम पर पहुंच गया, जब प्रेस समेत हर तरह की मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी गयी. इसके बावजूद उस दौर ने भारत के लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सबसे अच्छा समय देखा था.प्रेस से जुड़े अधिकतर लोग सेंसरशिप का डट कर मुकाबला कर रहे थे और अक्सर अपनी गुस्ताखी का खामियाजा भी भुगत रहे थे. भूमिगत साइक्लोस्टाइल छपाई वाले प्रेस को भी याद किया जाना चाहिए, जो आम लोगों को देश में चल रही गतिविधियों की जानकारी देता था. उन दिनों प्रिंट मीडिया ही भरोसेमंद खबरों और लेखों का एकमात्र स्रोत था. ध्यान रहे, सब कुछ ठीक नहीं था क्योंकि कुछ अखबारों और पत्रिकाओं का अपना ही राग था. इसके अलावा, सत्ता अपने प्रकाशनों के माध्यम से भी अपनी बात लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रही थी. इसके बावजूद प्रिंट मीडिया पर लोगों का भरोसा बना रहा था. उस दौर में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर प्रिंट मीडिया की अहमियत थी और उसकी 'आवाज' को सुना जाता था. सत्ता के गलियारों में घूमते राजनेता और नौकरशाह मीडिया की बात सुनते थे और उस पर अपनी प्रतिक्रिया देते थे. संपादकीय और खबरों को बड़े लोगों के सामने कायदे से रोजाना रखा जाता था ताकि वे हवा का रुख भांप सकें. 'संपादक के नाम पत्र' को भी छांटा जाता था और उनकी शिकायतें दूर की जाती थीं. पत्रकार मजबूत और जुझारू होते थे तथा उन्हें अपनी ताकत का अंदाजा था, लेकिन वे माध्यम को अपने-आप को आगे बढ़ाने का जरिया बनाने के बजाय सोच-समझकर सूचनाएं जुटाते थे. लेकिन आज नजारा बदल गया है. चौथा खंभा राजनेताओं, नौकरशाहों या जनता के सिर का एक बाल हिलाये बिना मौजूदा छल-प्रपंच और भ्रष्टाचार पर खंखार सकता है. समर्पित पत्रकार बिना किसी असर के उदासीनता और अक्षमता के लिए स्थानीय प्रशासन को कोस सकते हैं. पहले जब किसी गलत कारण से किसी का नाम अखबार में आ जाता था, तो वह महीनों तक संपर्क से बाहर हो जाता था. अब तो हिरासत में लिये गये दोषी भी अपना चेहरा छुपाने की परवाह नहीं करते और जिनके भ्रष्ट कारनामे उजागर हो जाते हैं, वह खुलेआम घूमता है क्योंकि उसकी चमड़ी गैंडे से भी मोटी हो चुकी है. चौथे खंभे के कमजोर होने की प्रक्रिया अस्सी के दशक के मध्य में घरों में टेलीविजन के प्रवेश के साथ शुरू हुई. प्रारंभ से ही यह बुद्धू बक्सा सरकार के कड़े नियंत्रण में था और इसे दूरदर्शन का नीरस नाम दिया गया, जो बिना किसी विश्वसनीयता के खबरें परोसता था. लेकिन यह सोचना गलत है कि निजी चौनलों के आने से इस माध्यम की विश्वसनीयता बढ़ी. इन चौनलों को अपना खेल खेलना था. इस क्रम में समाचारों और लेखों की 'वस्तुनिष्ठ' प्रस्तुति को भारी धक्का लगा. टेलीविजन मीडियम के साथ समस्या यह थी कि इसे अपने अस्तित्व के लिए दर्शकों की जरूरत थी क्योंकि बिना दर्शकों के विज्ञापन नहीं मिलता और विज्ञापन के बिना चौनल चल नहीं सकता. चौबीसों घंटे चलनेवाले चौनलों को सामग्री और प्रस्तुति में भी बदलाव करना था क्योंकि दूरदर्शन की तरह उदास अभिव्यक्ति और एकरस आवाज से दर्शकों को आकर्षित नहीं किया जा सकता था. ऐसे में बेहद साधारण खबरों को भी सनसनीखेज तरीके से और तेज आवाज में पेश किया जाने लगा. साथ ही, किसी खबर की अहमियत को तय करने के संपादकीय काम का असर घटने लगा. अब फुटेज की उपलब्धता बहुत अहम हो गयी, जिससे साधारण खबरें अधिक जगह पाने लगीं और जरूरी खबरें पीछे जाने लगीं क्योंकि चौनल के पास उनसे संबंधित फुटेज नहीं थे. प्रस्तुति को 'अधिक रोचक' बनाने के लिए लाइव 'बहस' का ढंग लाया गया, जो अक्सर हास्यास्पद मौखिक झगड़े का स्थान बनता गया. असल में, टेलीविजन को स्थापित प्रिंट मीडिया के उलट अलग-अलग पृष्ठभूमि के असंगत दर्शकों को देखना था, इसलिए प्रस्तुति व सामग्री बहुत उच्च स्तरीय नहीं हो सकती थी और न ही वह अनुमानित औसत दर्शक के हिसाब से हो सकती थी. उसे न्यूनतम सामान्य स्तर का ध्यान रखना था ताकि उसे अधिकाधिक दर्शक मिल सकें. हम जानते हैं कि दृश्य हमारी संवेदनाओं पर अधिक सीधा असर डालते हैं. 'तुरंत' खबर देकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने प्रिंट को चुनौती दे डाली कि अगर प्रतिस्पर्धा करनी है, तो उसे भी बदलना होगा. प्रिंट मीडिया की समस्या प्रकाशनों की संख्या बढ़ने और मीडिया मुगल बनने की चाहत लिये आये नये खिलाड़ियों की वजह से गंभीर होती गयी. राजनेता और कंपनियां प्रिंट व टीवी मीडिया में अपना हिस्सा हासिल कर अपने हितों को साधने की प्रक्रिया में लग गये. इससे विश्वसनीयता में सेंध लगने का एहसास होता है. दशकों से विवेकपूर्ण पत्रकारिता के आधार पर अपनी साख बनानेवाले मीडिया संस्थानों को अभी-अभी आये उन खिलाड़ियों से चुनौती मिलने लगी, जो सुर्खियों के आकार के आधार पर खबर के महत्व को देखते थे. प्रिंट मीडिया को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ रही है. कुछ ने पहले की तरह ही टिकने की कोशिश की, पर उन्हें जल्दी ही पता चल गया कि ऐसा करने से उनका प्रसार घट रहा है और जल्दी ही प्रकाशन बंद हो सकता है. आज मीडिया में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर सनसनी रोज की बात हो गयी है. यह अफसोसनाक है कि चौथे खंभे का बड़ा हिस्सा खबरों और लेखों को वस्तुनिष्ठ ढंग से प्रस्तुत नहीं कर पाता है. पाठकों की परवाह किये बगैर कई तो खुलेआम अपने पक्षपात का प्रदर्शन करते हैं. टीवी के कई नकारात्मक रवैये प्रिंट मीडिया के एक हिस्से में भी पैठ गये हैं. इस हल्केपन के साथ मीडिया का कमजोर होना अवश्यंभावी है क्योंकि सत्ता को पता है कि आज के चौथे स्तंभ में बौद्धिकता हाशिये पर धकेल दी गयी है. इस स्थिति को और भी बिगाड़ते हुए सूचना तकनीक के विस्फोट ने चौथे स्तंभ के दायरे से बाहर के स्रोतों से समाचार और सूचना पाने का रास्ता खोल दिया है. नयी पीढ़ी के एक हिस्से के लिए अखबार और न्यूज चौनल किसी और दुनिया की चीज लगते हैं क्योंकि उनकी हथेली में उनकी दुनिया है।

हिमालय को बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता

- शेष नारायण सिंह

उत्तर दिशा में स्थित देवात्मा हिमालय नाम के नगाधिराज पर प्रकृति का एक और आक्रोश फूटा है। इंसान की गलत नीतियों का खामियाजा हिमालय को भोगना पड़ता है। उत्तराखंड के चमोली जिले में एक ग्लेशियर फटने से ऋषि गंगा क्षेत्र में तबाही आई है। वहां के एक बिजली उत्पादन केंद्र पर मुख्य रूप से असर पड़ा है। अपने देश में बिजली के उत्पादन को विकास से जोड़ा जाता है। पूंजी के बल पर राज करने वाले लोगों के एक वर्ग ने विकास की अजीब परिभाषा प्रचलित कर दी है। ग्रामीण इलाकों को शहर जैसा बना देना विकास माना जाता है। पूंजीपति वर्ग आर्थिक तरक्की के लिए कुछ भी तबाह कर देने पर आमादा हैं। इसी चक्कर में अब उत्तराखंड के पहाड़ तबाही की जद में हैं। इस बार की चमोली की घटना में लगातार गर्म होते जा रहे पर्यावरण का भी योगदान है। विश्व के नेता क्लाइमेट चेंज को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे गैरजिम्मेदार नेता तो पेरिस समझौते से अमेरिका को बाहर ले गए थे। यह तो गनीमत है कि नए राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिर से अमेरिका को पेरिस वार्ता से जोड़ दिया है। क्लाइमेट चेंज का खामियाजा दुनिया भर को झेलना पड़ेगा। भारत ने चमोली में झेल लिया। सफलता के लिए इस दिशा में दुनिया भर के देशों के साथ मिलकर चलना पड़ेगा। भारत अकेले कुछ नहीं कर सकता। लेकिन अकेले यह तो किया ही जा सकता है कि अपने हिमालय को बचाने के लिए जो जरूरी उपाय हों। हिमालय को पूंजीपति वर्ग के स्वार्थों और मैदानी तर्ज के विकास की सोच के कारण इतना कमजोर कर दिया गया है कि वह बारिश को भी संभाल नहीं पाता, ग्लेशियर फटने की बात तो अलग है। आज उत्तराखंड, खासकर गढ़वाल क्षेत्र में हिमालय नकली तरीके के विकास की साजीश का शिकार हो चुका है और वह प्रकृति के मामूली गुस्से को भी नहीं झेल पा रहा है। हिमालय के प्रति अपमान का आलम यह है कि गंगा नदी को उसके उद्गम के पास ही बांध दिया गया है। बड़े बांध बन गए हैं और भारत की संस्कृति से जुड़ी यह नदी कई जगह पर अपने रास्ते से हटाकर सुरंगों के जरिये बहने को मजबूर कर दी गई है। पहाड़ों को खोखला करने का सिलसिला टिहरी बांध की परिकल्पना के साथ शुरू हुआ था। 1974 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, हेमवती नंदन बहुगुणा ने सपना देखा था कि प्रकृति पर विजय पाने की लड़ाई के बाद जो जीत मिलेगी वह पहाड़ों को भी उतना ही संपन्न बना देगी जितना मैदानी इलाकों के शहर हैं। उनका कहना था कि पहाड़ों पर बांध बनाकर देश की आर्थिक तरक्की के लिए बिजली पैदा की जायेगी। इसी सोच के चलते गंगा को घेरने की योजना बनाई गई थी। ऐसा लगता है कि हिमालय के पुत्र हेमवती नंदन बहुगुणा को यह बिल्कुल अंदाजा नहीं रहा होगा कि वे किस तरह की तबाही को अपने हिमालय में न्योता दे रहे हैं। पहाड़ों से बिजली पैदा करके संपन्न होने की दीवानगी के चलते ही उत्तरकाशी और गंगोत्री के 125 किलोमीटर इलाके में पांच बड़ी बिजली परियोजनाएं हैं। जिसके कारण गंगा को अपना रास्ता छोड़ना पड़ा। इस इलाके में बिजली की परियोजनाएं एक दूसरे से लगी हुई हैं। एक परियोजना जहां खत्म होती है वहीं से दूसरी शुरू हो जाती है। यानी नदी एक सुरंग से निकलती है और फिर दूसरी सुरंग में घुस जाती है। इसका मतलब ये है कि जब ये सारी परियोजनाएं पूरी हों जाएंगी तो इस पूरे क्षेत्र में अधिकांश जगहों पर गंगा अपना स्वाभाविक रास्ता छोड़कर सिर्फ सुरंगों में बह रही होगी। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड ने गंगा को दुनिया की उन 10 बड़ी नदियों में रखा है जिनके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। गंगा मछलियों की 140 प्रजातियों को आश्रय देती है। इसमें पांच ऐसे इलाके हैं जिनमें मिलने वाले पक्षियों की किस्में दुनिया के किसी अन्य हिस्से में नहीं मिलतीं। जानकार कहते हैं कि गंगा के पानी में अनूठे बैक्टीरिया प्रतिरोधी गुण हैं। यही वजह है कि दुनिया की किसी भी नदी के मुकाबले इसके पानी में आक्सीजन का स्तर 25 फीसदी ज्यादा होता है। ये अनूठा गुण तब नष्ट हो जाता है जब गंगा को सुरंगों में धकेल दिया जाता है जहां न ऑक्सीजन होती है और न सूरज की रोशनी। इसके बावजूद सरकारें बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी देने पर आमादा रहती हैं। भागीरथी को सुरंगों और बांधों के जरिए कैद करने का विरोध तो स्थानीय लोग तभी से कर रहे हैं जब इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। लेकिन वहीं पर रहने वाले बहुत से नामी साहित्यकार और बुद्धिजीवी इस अनुचित विकास की बात भी करने लगे हैं। उसमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्होंने पहले बड़े बांधों के नुकसान से लोगों को आगाह भी किया था लेकिन बाद में पता नहीं किस लालच में वे सत्ता के पक्षधर बन गए। ऐसा भी नहीं है कि हिमालय और गंगा के साथ हो रहे अन्याय से लोगों ने आगाह नहीं किया था। बीस साल पहले सुनीता नारायण, मेधा पाटकर, आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रोफेसर जी डी अग्रवाल और बहुत सारे हिमालय प्रेमियों ने इसका विरोध किया। बहुत सारी पत्रिकाओं ने बाकायदा अभियान चलाया लेकिन सरकारी तंत्र ने कुछ नहीं सुना। सरकार ने जो सबसे बड़ी कृपा की थी वह यह कि प्रोफेसर अग्रवाल का अनशन तुड़वाने के लिए उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी ने दो परियोजनाओं को अस्थायी रूप से रोकने पर सहमत जता दी थी लेकिन बाद में फिर उन परियोजनाओं पर उसी अंधी गति से काम शुरू हो गया। सबसे तकलीफ की बात यह है कि भारत में बड़े बांधों की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है जब दुनिया भर में बड़े बांधों को हटाया जा रहा है। अकेले अमेरिका में ही करीब 700 बांधों को हटाया जा चुका है।सेंटर फार साइंस एंड इन्वायरमेंट ने एक रिपोर्ट जारी करके कहा था कि 25 मेगावाट से कम की जिन छोटी पनबिजली परियोजनाओं को सरकार बढ़ावा दे रही है उनसे भी पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। आज जो चमोली में हुआ है वही 2013 में केदारनाथ में हुआ था। उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को हिमालय की इकोलाजी से खिलवाड़ करने वाली नीतियों को रोकने की सलाह दी गई थी। वे उन दिनों कांग्रेस में थे। जून 2013 की बाढ़ को ठीक से संभाल नहीं पाए थे। उनकी चौतरफा आलोचना हुई थी। उसी सिलसिले में उनको मुख्यमंत्री पद भी गंवाना पड़ा था। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे और केदारनाथ में फंसे हुए गुजरातियों को बचाने के लिए उन्होंने गुजरात सरकार को सक्रिय कर दिया था। नरेंद्र मोदी ने विजय बहुगुणा और मनमोहन सिंह सरकार की केदारनाथ की बाढ़ के कुप्रबंध को लेकर सख्त आलोचना की थी। आज उनकी सरकार केंद्र में भी है और राज्य में भी। उम्मीद की जानी चाहिए कि विजय बहुगुणा वाली गलतियां आने वाले समय में कोई भी सरकार न करने पाए। केंद्र सरकार को विकास के लिए अन्य जगहों से अलग तरह की नीतियों को हिमालय में लागू करना चाहिए। हिमालय के क्षेत्र में आने वाले सभी राज्यों की सरकारों को शामिल करके केंद्र सरकार एक जरूरी नीति की घोषणा कर सकती है।

आज का राशि फल

मेषः- भविष्य को लेकर नकारात्मक चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

बृषभः- रोजगार संबंधी कुछ नई योजनाओं की ओर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख की लालसा बढ़ेगी।

मिथुनः- बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थित मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्कः- बीती बातों को सोचने के बजाए वर्तमान में जीने का प्रयास करें। जरूरत से ज्यादा बोलना आपके व्यक्तित्व पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक कायरे को पूरा करेंगे।

सिंहः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी एवं धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैवा अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी।

कन्याः- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

तुलाः- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करें। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

वृश्चिकः- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवाहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

धनुः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कार्यों में न गंवाए। नयी दिशा में सकारात्मक सोच लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। अच्छा हो कि परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

मकरः- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से कष्ट संभव।

कुंभः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न बरतें।

मीनः- जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। घर-परिवार में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

भ्रष्टाचार में फंसी वेंडिंग जोन योजना

उन्नाव ।

नगर के गरीब फुटपाथी दुकानदारों को सम्मानजनक रोजगार के सुअवसर उपलब्ध कराने के लिए शासन से लागू की गयी वेंडिंग जोन योजना भ्रष्टाचर में फंसकर शुद्ध व्यापारिक योजना बन गई है। जहां वेंडिंग जोन के नाम पर जल निकासी के नालों पर रखी गयी लोहे की गुमटियां एक लाख से लेकर तीन लाख तक बेची गयी है जिससे फुटपाथी दुकानदारों की जगह पैसे वाले रोजगार चला रहे हैं।

फुटपाथ पर छोटी-मोटी दूकाने लगाकर अथवा ठेलिया खोमचा लगा व्यापार कर जीवकोपार्जन करने वाले नगर के गरीबों को अधिकृत रुप से नगर के फुटपाथों पर व्यापार कर सम्मानजनक रुप से रोटी-रोजी चलाने के लिए शासन से लागू वेंडिंग जोन योजना वेंडिंग जोन के संचालको के लिए कामधेनू गाय साबित हो रही है। जिन्होंने लोहे की पक्की गुमटियां नगर के जलनिकासी के नालों पर रखवाकर एक से तीन लाख रुपये में बेंची है जिससे एक भी फुटपाथी दूकानदार लाभान्वित नहीं हुआ। साथ ही नालों पर गुमटी रखने से नगर की जलनिकासी पूरी तरह अवरुद्ध हो गयी है जबकि लोहे की गुमटी अथवा किसी प्रकार का निर्माण या पक्की संरचना बेंडिंग जोन नियमो के तहत प्रतिबन्धित है।

शासन द्वारा लागू वेंडिंग जोन योजना में तीन प्रकार के फुटपाथी दुकानदारों को चिन्हित करने के बाद पालिका में पंजीकरण के बाद दो बाई दो का फुटपाथ आवंटित करने का नियम है इस शर्त के साथ कि आवंटी किसी भी प्रकार का निर्माण नही करा सकता। साथ ही आवंटित स्थल की साफ-सफाई करने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी आवंटी की होगी। दूसरे प्रकार के आवंटी वह होगे जो ठेलिया से नगर की सडकों पर घूम-घूमकर व्यापार करते हैं और तीसरे प्रकार के वेंडिंग जोन के वह लाइसेंसधारक होंगे जो सप्ताहिक बाजारों अथवा मेलों में व्यापार करते हैं जिनके पास पालिका परिषद की लाइसेन्स होने से पुलिस या पालिकाकर्मी इनसे अवैध ऊगाही नहीं कर पायेंगे ।

धनार्जन को केन्द्र बना वेंडिंग जोन के संचालक वेंडिंग जोन के नाम पर लोहे की गुमटियां लगवा अब तक करोड़ो का व्यापार कर चुके है जिससे नगर के किसी गरीब फुटपाथी को कोई फायदा नहीं हुआ।

साथ ही नगर पालिका उन्नाव की आय में एक नये पैसे की आय नही हो रही है। गुमटी की कीमत और मासिक किराया वेंडिंग जोन के संचालक आपस में मिलबांट हजम कर जाते हैं।

क्या है वेंडिंग जोन

शासन से लागू वेंडिंग जोन की नियमावली के अनुसार एक प्रशासनिक अधिकारी के अधीन वेंडिंग समिति का अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद समिति का गठन करेंगें जिसमें यातायात प्रभारी, फायर आफीसर, दो सदस्य नगर पालिका दो व्यापारी सदस्य सहित एक दर्जन सदस्य होंगे जिनकी देख-रेख में फुटपाथी दुकानदारों का चयन के बाद फुटपाथ का आवंटन होगा। हर आवंटी को पालिका से न्यूनतम मासिक फीस लेकर लाइसेंस जारी होंगें जिससे पालिका की आय बढेगी। साथ ही फुटपाथी दूकानदार अवैध उगाही के शिकार नहीं होंगें परन्तु सम्पूर्ण वेंडिंग जोंन के मालिक मुखिया लोहे की गुमटियों के आपूर्तिकर्ता अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका है। गुमटियों को बेचने का कार्य व्यापारी सदस्यों का है। गुमटियों की बिक्री और मासिक किराये की राशि कहां-कहां किसको कितनी मिलती है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

उन्नाव। अज्ञात कारणों के चलते युवक ने गांव के बाहर आम के पेड की डाल पर रस्सी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। सुबह ग्रामीणों ने शव लटकता देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है। आसीवन थाना क्षेत्र के भगवानदीनखेड़ा गांव निवासी आशीष 22 पुत्र रज्जन मौर्य का शव गुरुवार की सुबह राधे के खेत में स्थित आम के पेड़ पर फांसी पर लटकता हुआ मिला। हालांकि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है लेकिन ग्रामीणों में प्रेम-प्रसंग की चर्चाएं चल रही है। मृतक दो भाइयों के बीच छोटा था। उससे बडा रंजीत है तीन बहनों में शिल्पी की शादी हो चुकी है जबकि शशि व कोमल अविवाहित हैं। मां शिवप्यारी पुत्र की मौत से आहत हैं। मृतक के चाचा श्रीराम ने पुलिस को तहरीर देकर

अपनादल एस की मासिक बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़।

अपनादल एस की मासिक बैठक देवकली लान प्रतापगढ़ में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजेश पटेल व संचालन श्री बी एल पासी ने किया ।बैठक के मुख्यातिथि जिलाप्रभारी श्री शिवमूरत पटेल जी रहे बैठक में राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेन्द्र प्रसाद पाल, प्रदेशउपाध्यक्ष श्री कुलदीप पटेल,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बौद्धिक मंच अमित पटेल जी,प्रदेश सचिव श्री जीतलाल पटेल जी,प्रदेश उपाध्यक्ष श्रमिक मंच श्री मिथलेश सिंह पटेल जी ,प्रदेश महासचिव अनुसूचित मंच श्री राधेश्याम सरोज जी,प्रदेश महासचिव महिला मंच श्रीमती लक्खू चौधरी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही मुख्यातिथि श्री शिवमूरत पटेल ने संगठन की समीक्षा करते हुए जिलापंचायत चुनाव पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए बहन अनुप्रिया पटेलजी के हांथो को मजबूत करने का आवाहन किया।राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेन्द्र प्रसाद पाल जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी के द्वारा लोकसभा में उठाए गएमुद्दों को ओ बी सी मंत्रालय का गठन, न्यायिक सेवा आयोग का गठन जैसे मुद्दों को विस्तार पूर्वक बताने का काम किया।जिलाध्यक्ष बृजेश पटेल ने 14 तारीख को महात्मा संतराम बी ए प्रजापति की जयंती पर अधिक से अधिक संख्या में आने की कार्यकर्ताओं से अपील की।इस बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता श्री राम करन पटेल,श्री परमानंद मिश्रा, श्रीमती सुनीता,राजकुमार पटेल, सिंह पटेल, इंजीनियर श्री राम मूर्ति त्रिपाठी, दीपक मिश्रा,लल्लू पटेल,चंद्रभान पटेल,ओमप्रकाश पटेल,जीतलाल पटेल,अरविन्द मौर्या, जयकरन पाल,डॉ विजय सिंह, राजेश पटेल,राजेन्द्र प्रसाद मौर्या, पिंटू साहू,रामतीर्थ पुष्पजीवी, रामप्यारे गौड़,आदि लोग उपस्थित रहे।

खबरें एक नजर में

एलायंस क्लब की महिला टीम ने बाँटे अनाथ बच्चों को कपडे

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल प्रतापगढ़ की महिला इकाई ने महिला क्लब की अध्यक्ष पूनम गुप्ता की अगुवाई में बच्चो को कपड़े प्रदान किया गया क्लब के कंबल वितरण अभियान में एक कदम और बढ़कर क्लब की महिला टीम ने गरीब व असहाय बच्चों को कपड़े प्रदान किया। इसी क्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्लब के इंटरनेशनल एडवाइजर रोशनलाल उमरवैश्य ने बच्चों को कपड़े देते हुए कहा कि महिला क्लब कि अध्यक्ष पूनम गुप्ता की अगुवाई में यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है मैं इनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होने बच्चों को कपड़े प्रदान किया। कार्यक्रम की आयोजक पूनम गुप्ता ने बच्चों को कपड़े देते हुए कहा कि हमें जानकारी हुए की इन बच्चों के पास कपड़े नहीं है तो हमने कपड़े खरीद कर इन बच्चों को देने का प्रयास किया आगे भी इस तरह के कार्यक्रम महिला क्लब द्वारा चलाया जाएगा। इस अवसर पर अशोक कुमारी विश्वकर्मा, शशि मौर्या, अनूप शुक्ला,देवेंद्र कुमार गुप्ता श्एडवोकेटश, तेजस, अमन गुप्ता, विवेक कुमार यादव आदि रहे।

नासा प्रबधंक भारतीय स्टेट बैंक में ग्राहक गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़ । नासा प्रबधंक भारतीय स्टेट बैंक मान्धाता प्रतापगढ़ में एक ग्राहक गोष्ठी का आयोजन हुआ शाषा प्रबधंक पंकज सिंह परिहार ने संबोधित किया उन्होंने कहा कि समन्वय स्थापित करके बड़ी से बड़ी समस्या का निदान हो सकता है उन्होंने कहा कि बर्तमान समय में बैंक ग्राहक सेवा करने के लिए कृत संकल्प है इस मौके पर पूर्व प्रधान मान्धाता मदन गोपाल सिंह मंडल अध्यक्ष भाजपा विक्रांत सिंह नवीन मान्धाता डा रमेश अग्रहरि व्यापारी ने था बाबा अमर नाथ शर्मा भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रतापगढ ज्योती प्रकाश सिंह व्यापारी ओम प्रकाश अग्रहरी हरी राम मोदनवाल बबलू बिनीत पयासी दद्दू वैश्य रिंकू मिश्रा लल्ले सिंह बी के पटेल दिवाकर पांडे असरफ चांद बाबू अब्दुल्ला अंसारी सूर्य भान सिंह राजकुमार वैश्य मान्धाता पुरूषोत्तम यादव सुरेश सिंह सर्विस मैनेजर सतीस धूसिया बैंक गार्ड बिनोद कुमार सिंह अभिषेक कुमार सिंह कैशियर देवाशीष वैश्य कैसियर आदि लोग उपस्थित रहें।

छात्राओं को दी गई कानूनी जानकारियां

उन्नाव। वीमेन इम्पावरमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में स्टाकिंग अर्थात पीछा करने का अपराध और इसकी रोकथाम विषय पर वृहद कार्यशाला का आयोजन शहर के श्रीनारायण गर्ल्स पीजी कॉलेज में किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष और मुख्य वक्ता पूर्व डी आई जी रतन कुमार श्रीवास्तव संस्थापक उपाध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंदूर कॉलेज प्राचार्या डॉ मनीषा चौहान उन्नाव के चीफ कोऑर्डिनेटर आर एस वर्मा ने मां सरस्वती का पूजन और दीप प्रज्ज्वलन कर वर्कशॉप का शुभारंभ किया। वाणी वंदना छात्रा लीना मक्कड़ ने पढ़ी और बडा ही सरस स्वागत गान छात्रा प्रिया दीक्षित ने किया। फाउंडेशन और वर्कशॉप की भूमिका कोऑर्डिनेटर डॉ मनीष सिंह सेंगर ने प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता रतन कुमार श्रीवास्तव ने स्टाकिंगध् पीछा करना के कई पहलुओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए अपराध की श्रेणी में शामिल स्टॉकिंग के बारे में बताया। यह अपराध प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्षए फिजिकल और ऑनलाइन किसी भी रूप में हो सकता है। शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं को स्टाकिंग की रोकथाम के बनाए गए कई अधिनियमों के बारे में विस्तार से बताने के साथ श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पहले तो इन कानूनों का ज्ञान हमारी बहनों और बेटियों को होना चाहिए और स्वयं की सुरक्षा के लिए इन कानूनों का सहारा लेकर आवाज भी बुलंद करनी चाहिए। निडर होकर ऐसे अपराधों का विरोध करना चाहिए और सोशल मीडिया पर बड़ी ही सतर्कता के साथ पोस्ट आदि साझा करनी चाहिए। कॉलेज परिवार से डॉ रेखा शुक्लाए डॉ सरिता सिंहए डॉ सलमा नसीमए डॉ सुनीलिमाए सुश्री प्रशाली आदि सहित कई छात्राओं ने कई बिंदुओं पर प्रश्न करते हुए छात्राओं को जागरूक कराने में योगदान दिया। प्राचार्या डॉ मनीषा चौहान ने मुख्य वक्ता रतन कुमार श्रीवास्तव और उपाध्यक्ष अनिल सिंदूरए मुख्य समन्वयक आर एस वर्मा को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

पुलिस अधीक्षक ने हसनगंज कोतवाली का किया वार्षिक निरीक्षण

निर्देश

4 मालखाने में फाइलों के रखरखाव व लम्बित विवेचनाओं में तेजी लाने के निर्देश

उन्नाव ।

कोतवाली हसनगंज का एसपी आनंद कुलकर्णी ने वार्षिक मुआयना, शस्त्रों व मालखाने में रखी फाइलों के रख-रखाव सहित शस्त्रो को प्रयोग में लाने के निर्देश दिये तथा लंबित पड़ी विवेचनाओ का मुआइना कर जल्द निस्तारण करने के आदेश सीओ व पुलिस इंस्पेक्टर को दिए।

हसनगंज कोतवाली का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वार्षिक निरीक्षण डेढ बजे दोपहर में पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आनंद कुलकर्णी ने किया। जिसमें सबसे पहले परिसर में खड़ी कबाड़ गाड़ियो की नीलामी के लिये कार्यवाही को बढाने के निर्देश दिए। इसके साथ महिला हेल्प डेस्क सहित महिला आरक्षी बैरक शस्त्रागार मालखाना व बंदीगृह विभाग का निरीक्षण किया।

एसपी ने मालखाने में लगी निस्तारित पुरानी फाइलो को तत्काल पुलिस लाइन भेजवाने के निर्देश दिये। महिला हेल्प डेस्क में रखे रजिस्टर से दो महिला फरियादियो से मोबाइल से बात की। जिसपर संगीता पत्नी वीरू की आपसी विवाद का फीड बैक लिया। पीड़िता ने जवाब में सन्तुष्टि व्यक्त की। वही गदनखेड़ा भिटवा निवासी पीडित विजय द्वारा घूरा हटवाने के दर्ज प्रार्थनापत्र का फीडबैक लिया जिसपर एक महीने बाद भी अधूरा मिला। जिसको उन्होने जल्द निस्तारण कराकर रिपोर्ट मांगी। निरीक्षण के बाद में चौकीदारो को लाल साफा व सीटी देकर गांवो में अपराधियो व अवैध शराब की जानकारी ली।

बाद में सभी दरोगा सिपाहियो की बैठक की कोतवाली क्षेत्र की बीट की जानकारियां ली। पत्रकारो के सवाल पर एसपी श्री कुलकर्णी ने कहा कि जो चोरियां हुई है उनके तत्काल खुलासे करने के लिए इंस्पेक्टर को निर्देश दिये गये हैं। पीडित व दबंग दोनो को शांतिभंग में करने के सवाल पर कहा ऐसा नहीं है धारा-107/116 सीआरपीसी में केवल विवाद न बढ़े, इसलिये पुलिस प्रतिबंधित करती है।

जहां निर्दोष शिकायतकर्ता होता है उसके खिलाफ पुलिस जांच करके कार्यवाही करती है। मोहान पुलिस चौकी भवन निर्माण के लिए जमाने से किराये पर चलने के सवाल पर उन्होने इंस्पेक्टर मुकुल प्रकाश वर्मा से प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। मुआयना को सब ठीक-ठाक बताकर कर्मियो को सुधार लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी राजकुमार शुक्ला, इंस्पेक्टर मुकुल प्रकाश वर्मा, क्राइम इंस्पेक्टर संजीव यादव, चौकी प्रभारी प्रमोद यादव, एसआई जिब्राईल शेख, महिला हेड का0 मीरा रानी, आरके शुक्ला, शिवेंद्र सिंह सहित समस्त अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

भारतीय मजदूर किसान यूनियन ने पंचायत कर दिया आठ सूत्रीय ज्ञापन

उन्नाव। किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर किसान यूनियन राष्ट्रवादी युवा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र राज श्रीवास्तव ने निराला प्रेक्षाग्रह में पंचायत कर आठ सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को दिया। जिसमें जिलाध्यक्ष किरण सिंह पटेल ने कहा कि जनपद में आवारा जानवरो से किसानों की फसले नष्ट हो रही है और सरकार द्वारा बने गौशाला में जानवरों को न रोककर फर्जी तरह से पैसा निकाला जा रहा है जो कि बन्द कराया जाय।

मण्डल अध्यक्ष निधि शुक्ला ने कहा कि जनपद की सभी नहरों में पानी छोड़ा जाय जिससे किसानों के खेतों में खड़ी फसल की सिंचाई हो सके। साथ ही युवा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र राज श्रीवास्तव ने कहा कि जनपद में अधिकांश नलकूप खराब पड़े है जिसकी जांच करके उन्हें सही कराये जाए।

पंचायत में घोषित किया गया कि यदि अगले माह की पंचायत में यदि ये सभी बिंदुओं पर कार्य नही हुआ तो जिलाधिकारी के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। पंचायत का संचालन कौशल किशोर द्विवेदी ने किया। पंचायत में सोनू गुप्ता रहबार आलम निखिल श्रीवास्तव अमन वर्मा अनुज हरिओम पुत्तन वीरेन्द्र ऊषा सरला रेखा आदि सम्मलित रहे।

मधुकर जी महाराज द्वारा सम्मानित हुए जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज.....

प्रतापगढ़।

रामपुर खागल पट्टी प्रतापगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान शीतला सहाय धर्मा देवी चौरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी एवं अध्यक्ष तथा मधुकर संगीत महाविद्यालय के संस्थापक आस्था चौनल एवं संस्कृति विभाग उ0 प्र0 के प्रख्यात गायक विनय प्रिय त्रिपाठी मधुकर महाराज द्वारा धर्म चक्रवर्ती श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज एवं उनके उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्र दास जय महाराज का माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम एवं कोरोना योद्धा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री रमापति शास्त्री, राज्य मंत्री डॉ महेंद्र सिंह , कुलपति डॉ योगेश चन्द्र दूबे , युवा भाजपा नेता राजीव प्रताप सिंह नंदन ,ब्लाक प्रमुख राकेश सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी मूलचंद मिश्रा, समाजसेवी प्रधान रमाकांत मिश्र, मुम्बई हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरेन्द्र पांडेय, वरिष्ठ समाजसेवी मनोज पाण्डेय,युवा समाजसेवी रीतेश दूबे, संगीतकार विशेष नारायण व डॉ गोपाल मिश्र, पूर्व वरिष्ठ शाखा प्रबंधक विजय नारायण पाण्डेय, जयनारायण पांडेय, सुरेश कुमार सिंह तथा युवा समाजसेवी नरेंद्र पांडेय, आचार्य सौरभ ओझा, पत्रकार संजय तिवारी, युवा नेता अभिशेक पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे

पं. दीनदयाल की मनाई गई पुण्यतिथि

उन्नाव। भाजपा शीर्ष के आवाहन पर नगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि शुक्लागंज राजधानी मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में मनाई गई। जहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर भाजपा नेताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान इस दौरान के भाजपा नेता केडी त्रिवेदी ने संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए कहा कि जाने.माने विचारक दार्शनिक और जनसंघ के सह.संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा में हुआ था। महज सात साल की अल्पायु में ही माता.पिता का साया सिर से उठ जाने के कारण उनका जीवन काफी संघर्ष भरा रहा।

महिलाओं के लिये पिंक ऑटो सेवा होगी शुरू

कानपुर

मंडलायुक्त डॉ राजशेखर की अध्यक्षता में संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक शिविर कार्यालय में सम्पन्न हुयीः प्राधिकरण द्वारा कानपुर से उन्नाव मार्ग पर भारत दिव्यांग सेवा के अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा दिव्यांगजनों को टेम्पोध्टैक्सी परमिट स्वीकृत किये जाने हेतु दिये गये प्रत्यावेदन को विचाराधीन रखा गया है।

उन्होंने कहा कि महानगर में महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से महिलाओं द्वारा ही आटो.रिक्शा संचालन के लिये पिंक आटो सेवा प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। ऐसी आटो रिक्शा पिंक कलर में रंगी जायेगी तथा महिला द्वारा चलायी जायेगीए जिसमें महिलाओं एवं उनके साथ परिवारीजन यात्रा कर सकेंगे। ऐसी लाइसेन्सधारक महिला चालकों को मॉडल ड्राइविंग ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इस्टीट्यूटए विकास नगरए कानपुर से आटो.रिक्शा का प्रशिक्षण भी प्राप्त करना होगा। कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेडए कानपुर को उनके द्वारा कानपुर मेट्रोपोलिटेन एरिया में नगर बस संचालन के लिये दिये गये प्रस्ताव के क्रम में प्राधिकरण के क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले कानपुर मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र के लिये क्षेत्रीय परमिट प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी। नगर बस सेवा के मार्ग संख्या.07 सिकठियापुरवा से बडा.चौराहा मे से छावनी क्षेत्र में पड़ने वाले भाग को काटे जाने संबंधी परमिटधारकों के आवेदन पत्र पर विचार कर कतिपय बिन्दुओ के साथ पुनः आगामी बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। प्राधिकरण द्वारा विगत बैठक के निर्देशों पर अनुपालन आख्या का भी अवलोकन किया गया। बैठक में आलोक तिवारीए जिलाधिकारी, संजय सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, कानपुर, राकेश सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन, कानपुर एवं सुनील दत्त यादव सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन उपस्थित रहे।

देश में प्रत्येक व्यक्ति को दाल उपलब्ध हो : मंत्री

कानपुर ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी जोन 3 के निदेशक डॉण् अतर सिंह ने बताया कि भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान द्वारा वर्चुअल विश्व दलहन दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्व दलहन दिवस मनाने के लिए एफए ओ द्वारा पहल की गई थी।

उन्होंने कहा कि पोषण में दलहन की महत्वपूर्ण भूमिका है।हमारे देश में प्रत्येक व्यक्ति को दाल उपलब्ध हो इसके लिए वैज्ञानिक अग्रसर हैं।उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन में वृद्धि हुई है।और आयात पर निर्भरता कम हुई है। जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है इस अवसर पर कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि दलहन में 23 मिलियन टन का उत्पादन हुआ है तथा दलहन की नई किस्मों के विकास से कुपोषण का समाधान होगा। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ त्रिलोचन महापात्रा ने बताया कि 1000 से अधिक दलहन की किस्में विकसित की गई हैं तथा पिछले 5 वर्षो में 213 किस्में विकसित की गई हैं।उन्होंने कहा कि उन्नतशील बीज उपलब्ध कराने के लिए दलहन की 150 बीज हब स्थापित किए गए हैं।

गरीब परिवार को सहारा और बेसहारों का

प्रतापगढ़ जिले में गरीबो के मसीहा के रूप में समाज के सामने आ रहे हैं प्रज्ञा कुमार सिंह । क्षेत्र के नेताओं, ब्यापारिओं, एवं ठेकेदारों के लिए एक मिशाल बनते जा रहे हैं गायत्री गंगा परिवार के प्रज्ञा कुमार सिंह । जिले में अब तक हजारों जरुरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता दिए, बिना किसी ब्यक्तिगत लाभ के एवं बिना किसी दिखावे के । गरीबों के लिए गायत्री गंगा परिवार बन रहा है अटूट सहारा । गरीबो एवं असहायों तथा मजदूरों को उनके मुश्किल समय में आर्थिक सहायता पहुंचाने के देवत्यपूर्ण कार्यो को हिन्द मजदूर सभा (शीबू) के जिलाध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव ने उनके उज्जवल भबिष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी है । आमंत्रण मिलने पर सहायता के लिए तुरंत पहुंच जाते हैं गायत्री गंगा परिवार के प्रज्ञा कुमार सिंह। गौरतलब हो कि जनपद प्रतापगढ़ के बासुपुर मांधाता गांव में रह रहे धर्मेंद्र हरिजन पप्पू जो बासूपुर गांव के बेहद ही गरीब आदमी है उसकी लड़की की शादी है जब इस बात की जानकारी होने पर प्रज्ञा कुमार सिंह ने पहुंचकर लड़की के लिए समान और आर्थिक मदद की प्रतापगढ़ मे कोई भी गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा मुहैया कराने और भूखे प्यासे रहने वाले गरीब परिवार को हर समभाव मददगार साबित हो रहे है।समस्त ग्रामवासी एवं क्षेत्र वासियों ने प्रज्ञा कुमार सिंह जी का जमकर सराहना कर रहे है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 09.03.2021 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें। यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1.	निविदा सूचना संख्या		00602021 दिनांक 10.02.2021
2.	कार्य का नाम	1	सहायक मण्डल इंजीनियर उ.रे. जौनपुर के अधीन बाबतपुर स्टेशन पर एफ.ओ.बी. का प्रतिस्थपन का कार्य
		2.	सहायक मण्डल इंजीनियर उ.रे. जौनपुर एवं वाराणसी के अधीन खालिसपुर में डीप टूयबवेल और पम्प हाउस का अवशिष्ट कार्य और वाराणसी में पम्प हाउस व पाइप लाइन का कार्य के साथ आर.सी.सी ओवर हैड टैंक 01 नम्बर 225 किलोलीटर प्रतिभूति का प्रावधान
3.	अनुमानित लागत	1	रु. 13,87,286.72
		2	रु. 52,49,137.01
4.	कार्य की समापन अवधि		क्रम सं. 1 एवं 2 : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 6 माह।
5.	निविदा डालने का प्रारंभ		23.02.2021
6.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय		09.03.2021 at 15:00 hrs.
7.	वेबसाइट		www.ireps.gov.in

नोटः निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। 307/21

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक तथा मुद्रक विनीता तोमर द्वारा ए.वी.बी. रेप्रोग्राफिक्स ए-59, तालकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया, लखनऊ से मुद्रित, सी-5/2, सपना इन्कलेव, सेक्टर 18 वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक विनीता तोमर*
RNI.: UPHIN/1999/01690 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे। मो. 9415349400. email- vvtimes.news@gmail.com

शहर में घूम-घूमकर चोरी, डकैती व लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

फतेहपुर।

शहर में घूम-घूमकर चोरी, डकैती व लूटकाण्ड की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस की नाक में दम किये बदमाशों को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया। शहर कोतवाली पुलिस समेत कई चौकी इंचार्जों की टीम ने गैंग के आधा दर्जन सदस्यों को चोरी किये गये माल, मोटरसाइकिल व तमंचा-कारतूस के साथ हिरासत में ले लिया है। पुलिस व स्वाट टीम की इस बड़ी कामयाबी पर एसपी ने सराहना करते हुए पचास हजार रूपये का ईनाम दिये जाने की घोषणा की है।

पुलिस लाइन के सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि बीते दिनों शहर के लोधीगंज स्थित आरके मोबाइल शाप, नऊवाबाग स्थित रेनाल्ट कार शोरूम, कानपुर-इलाहाबाद बाईपास स्थित उप संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय व जीटी रोड स्थित टीवीएस एजेन्सी के शोरूम में हुयी चोरी, लूट व डकैती की वारदातों को गम्भीरता से लेते हुए उनके दिशा-निर्देशन में शहर कोतवाली पुलिस के साथ-साथ स्वाट टीम समेत कई चौकी इंचार्जों को लगाया गया था। पुलिस व स्वाट टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मुखबिर की सूचना पर शहर में लूट, डकैती व चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग के आधा दर्जन सदस्यों को दबोच लिया। जिनके कब्जे से रेनाल्ट शोरूम से लूटा गया मैकेनिकल टूल्स सहित पच्चीस अदद मोबाइल, टीवीएस शोरूम से चोरी की गयी चार नई मोटरसाइकिल के अलावा चोरी की एक अन्य मोटरसाइकिल व दो किलोग्राम चांदी के जेवरात बरामद किये गये हैं। एसपी ने बताया कि एआरटीओ कार्यालय में चोरी की गयी तिजोरी भी बरामद कर ली गयी है। बदमाशों के पास से चार तमंचा व छह जिन्दा कारतूस व दो खोखा भी मिला है। एसपी ने बताया कि पकड़े गये अभियुक्तों ने अपने नाम रोहित पाण्डेय उर्फ प्रदीप पाण्डेय पुत्र नारद पाण्डेय निवासी चक्की थाना मलवां, विकास सिंह पुत्र दशरथ सिंह निवासी भरेठा बमरौली थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज, धर्मेन्द्र सिंह चौहान पुत्र कमलेश सिंह चौहान निवासी भरेठा बमरौली थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज, पंकज जाटव पुत्र अशोक कुमार निवासी कुंवरपुर बनवारी थाना छिबरामऊ जनपद कन्नौज, गोलू उर्फ अरूण पुत्र लखन सिंह निवासी अल्लीपुर जीता अहमदगंज थाना कड़ा धाम जनपद कौशाम्बी व संदीप कुमार पुत्र राम स्वरूप निवासी आबूनगर ककरहा थाना कोतवाली फतेहपुर बताया। एसपी ने पत्रकारों को जानकारी दिया कि पकड़े गये बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं जो शहर में घूम-घूमकर चोरी, लूट, डकैती की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। उन्होने बताया कि पकड़े गये रोहित पाण्डेय उर्फ प्रदीप पाण्डेय का लम्बा आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ जनपद के बिन्दकी कोतवाली, थरियांव समेत कौशाम्बी जनपद के थाना सैनी में विभिन्न मुकदमें दर्ज हैं। इसके अलावा अन्य अभियुक्तगणों के विरूद्ध भी जनपद के अलावा राज्य के कई अन्य थानों में मुकदमें चल रहे हैं। एसपी ने इस बड़ी कामयाबी पर पुलिस व स्वाट टीम की सराहना करते हुए पचास हजार रूपये का ईनाम दिलवाये जाने की घोषणा की है। खुलासा करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक प्रभुनाथ यादव, वरिष्ठ उपनिरीक्षक कैलाशनाथ, उपनिरीक्षक अनिरूद्ध द्विवेदी, प्रवीण सिंह, संदीप तिवारी, विजय त्रिवेदी, सुमित देव पाण्डेय, उमाशंकर सिंह, शैलेष यादव, महिला कांस्टेबल रिंकी जोदौन, कांस्टेबल अभिजीत सिंह, विनोद, हरिओम, विवेक कुमार, विष्णु देव, अरूण यादव, विकास, धीरज कुमार, सचिन कुमार, भरत, विष्णु, शरद के अलावा स्वाट टीम प्रभारी विनोद मिश्रा, सर्विलांस उपनिरीक्षक सुनील कुमार यादव, उपनिरीक्षक विपिन कुमार यादव, विपिन प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल जावेद खां, पंकज सिंह, अतुल त्रिपाठी, अजय कुमार, रविशंकर मिश्रा, विपिन मिश्रा व इन्द्रजीत शामिल रहे।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

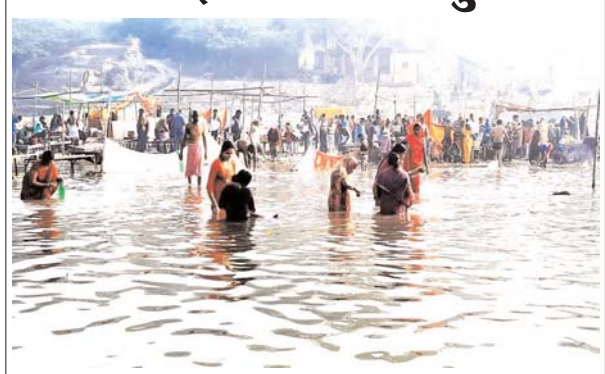

रायबरेली ।

मौनी अमावस्या के अवसर पर डलमऊ के रानी शिवाला घाट, संकट मोचन घाट, वीआईपी घाट, सहित दर्जनों घाट पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य कमाया गुरुवार को प्रातः काल से ही सैकडों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई।

घाटों पर स्थित देवी-देवताओं के मंदिरों में मन्नते मांगी स्नान पूजा अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं ने तीर्थ पुरोहितों को रेवड़ी, तिल, चावल कंबल, आदि दान भी किया गया मोनी अमावस्या के अवसर पर स्नान करने के लिए रायबरेली जनपद व आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं कि सुबह से ही आवागमन बना रहा वहीं मौनी अमावस्या पर भोर से ही स्नान प्रारंभ हो गया। हिंदू शास्त्रों में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि माघ मास की मौनी अमावस्या तिथि को गंगा, यमुना और सरस्वती जैसी पवित्र नदियों में देवताओं का वास होता है इसलिए इस दिन नदियों में स्नान का विशेष महत्व होता है।

साथ ही मौनी अमावस्या के दिन स्नान के बाद मौन व्रत रखकर पितरों का ध्यान करते हुए सूर्य देव को जल अर्पित करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है इस दिन दान करने से अपार पुण्य की प्राप्त होती है।

जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में छात्रों ने नवनियुक्त जिला महामंत्री का किया सम्मान

रायबरेली ।

विकास क्षेत्र की नीम टीकर ग्रामसभा निवासी सिद्धार्थ चतुर्वेदी के हाथों में जब से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का जिला महामंत्री की कमान सौंपी गई है। तब से उनके साथी छात्र कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। नवनियुक्त जिला महामंत्री के जनपद आगमन पर आज छात्र कार्यकर्ताओं ने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में स्वागत एवं सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया।

इस मौके पर मीडिया से मुखातिब होते हुए नवनियुक्त जिला महामंत्री श्री चतुर्वेदी ने कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है उस जिम्मेदारी को प्रथम वरीयता देते हुए सदैव कटिबद्ध रहूंगा। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनस रहमान आदि उपस्थित रहे।

भ्रम में पड़ना न घबराना अपनी बारी पर टीका जरूर लगवाना

सीतापुर

कोरोना से बचाव के टीके को लेकर अब न तो किसी भ्रम में पड़ने की जरूरत है और न ही घबराने की। अब जरूरत है तो सिर्फआगे आने की और कोविड से बचाव की वैक्सीन लगवाने की। गुरुवार को जिला महिला चिकित्सालय में डीएम और एसपी सहित तमाम आला अफसरों को जमावड़ा लगाए इन सभी अधिकारियों ने स्वेच्छा से कोरोना से बचाव का टीका लगवाया और आमजन से भी अपनी बारी आने पर टीका लगवाने की अपील की। टीका लगवाने के बाद सभी आधा घंटा तक अवलोकन कक्ष में रूके। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने टीका लगवाने के बाद कहा कि आज मैंने कोविड की वैक्सीन लगवाई हैए मुझे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई है। मैं राजस्व विभागए पुलिस विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मियों से अपील करूगां कि वह भी यह वैक्सीन लगवाएं और अपना जीवन सुरक्षित बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना से बचाव को लेकर भारत में तैयार किया गया टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने अपने अनुभव से कहा कि उन्हें जब टीका लगाया गया तो कोई दिक्कत नहीं हुई। टीका लगवाना बहुत ही आसान है। खुद के साथ.साथ पूरे परिवार और समाज को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अपनी बारी आने पर हर किसी को अपने संबंधित टीकाकरण स्थल पर पहुंचकर टीका जरूर लगवाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह ने टीका लगवाने के बाद टीकाकरण को हर व्यक्ति के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि वैक्सीन लेने के बाद किसी तरह साइड इफेक्ट नहीं हुआ। जिन लोगों ने पूर्व में टीका लगवाया हैए उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं हुई है। वैक्सीन के बाद सभी लोग पूरी तरह स्वस्थ है। इससे साफ स्पष्ट है कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने अन्य लोगों से भी उत्साह के बिना किसी झिझक के टीका लगवाने की अपील की। उन्होंने बताया वैक्सीन लेने से किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न नहीं होगी। समाज व परिवार की सुरक्षा के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है। इस मौके पर दोनों एडीएमए दोनों एएसपी सहित एसडीएमए सीओ व तहसीलदारों ने भी कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगवाई। मानक के अनुरूप पूरी हुई औपचारिकताएं टीकाकरण से पहले डीएम व एसपी सहित अन्य सभी अधिकारियों द्वारा पंजीकरण पहचान पत्र सहित सभी औपचारिकताएं निर्धारित मानक के अनुरूप पूरी की गई।

संक्षिप्त समाचार

पाल समाज की बैठक कल

फतेहपुर। पाल सामुदायिक उत्थान समिति की एक बैठक आबूनगर स्थित पाल भवन में चौदह फरवरी को प्रातः दस बजे से शाम चार बजे तक होगी। जिसमें तहसील पदाधिकारियों के मनोनयन पत्र एवं नगर कमेटी का चयन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष डा0 अमित पाल ने संगठन के जिला पदाधिकारियों, नवनियुक्त सभी तहसीलों के पदाधिकारियों एवं नगर इकाई के सदस्यों का आहवान किया कि समय से शिरकत करके बैठक को सफल बनायें।

श्रीराम महोत्सव 13 व 14 को

बिन्दकी-फतेहपुर। आगामी 13 व 14 फरवरी को श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसकी तैयारी कमेटी द्वारा तेजी से की जा रही हैं। नगर के मोहल्ला मीरखपुर स्थित श्री राम जानकी विराजमान किल्लेश्वर मंदिर के सरवर आकार राजेंद्र कुमार गुप्ता उर्फ कक्कू ने बताया कि आगामी 13 व 14 फरवरी को किल्लेश्वर मंदिर में श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसके तहत 13 फरवरी को मूर्ति पूजन एवं अखंड रामायण पाठ प्रारंभ होगा। 14 फरवरी को अखंड रामायण समापन हवन भजन संध्या तथा 12.00 बजे दोपहर से प्रसाद वितरण कार्यक्रम चालू होगा। उन्होंने बताया कि स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में दो घायल

बिन्दकी-फतेहपुर। अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने एक की हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया। जानकारी के अनुसार नगर के ललौली रोड बराती नगर मोहल्ले में पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे दिलीप कुमार 49 वर्ष पुत्र शिव प्रसाद निवासी मोहल्ला बराती नगर गंभीर रूप से घायल हो गये। जिनको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल रिफर कर दिया। वहीं दूसरी ओर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से नगर के ललौली चौराहे के पास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने पैदल जा रहे पिंटू गुप्ता 46 वर्ष पुत्र स्वर्गीय हरीश गुप्ता निवासी मोहल्ला लोहाई गली घायल हो गए। जिनको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। हुसेनगंज थाना क्षेत्र के छिउलहा रोड़ पर बृहस्पतिवार की देर शाम बाइक सवार को विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हथगाम थाना क्षेत्र के अमिलिहापाल गांव निवासी संजय 25 वर्ष बृहस्पतिवार की देर शाम बाइक द्वारा करीब साढ़े सात बजे हुसेनगंज से वापस गांव जा रहा था। जैसे ही वह हुसेनगंज-छिउलहा रोड पर जेडी इंटर कॉलेज के सामने पहुंचा तभी हथगाम की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने सीधे टक्कर मार दिया, जिससे सड़क पर गिरकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हुसेनगंज थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर लेकर चालक मौके से भाग जाने में सफल रहा, जिसकी तलाश की जा रही है।

डेढ़ किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के दिशा-निर्देशन में मादक पदार्थों का कारोबार करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अमौली चौकी पुलिस ने एक अभियुक्त को डेढ़ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार चांदपुर थाने के अन्तर्गत आने वाली अमौली पुलिस चौकी इंचार्ज शैतान सिंह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त रखने के उद्देश्य से गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर मो0 हुसैन उर्फलाला पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी मीढ़ापाटी थाना चांदपुर को एक किलो पांच सौ ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया।

जल निगम कर्मियों ने प्रदर्शन कर सीएम को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर।

पांच माह का बकाया वेतन व पेंशन सम्बन्धी समस्याओं को लेकर जल निगम कर्मियों द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अपर उप जिलाधिकारी को सौंपकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेश जल निगम संघर्ष समिति के बैनर तले सितंबर माह से वेतन न मिलने व अन्य सरकारी देयकों का भुगतान किए जाने समेत अन्य मांगों को लेकर स्टेशन रोड स्थित कार्यालय परिसर में ई0 शांतिभूषण वर्मा की अध्यक्षता में जल निगम कर्मियों द्वारा नारेबाजी व जमकर प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात कलेक्ट्रेट पहुँचकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अपर उप जिलाधिकारी को सौंपकर समस्याओं को निस्तारित कराये जाने की मांग किया। सीएम को भेजे ज्ञापन में गत वर्ष सितंबर माह से अब तक पांच माह का बकाया वेतन एवं वर्ष 2016 से पेंशन बकाये का भुगतान किए जाने, प्रतिमाह वेतन दिलाये जाने व ट्रेजरी के माध्यम से पेंशन दिलाये जाने, वर्ष 2018 से बन्द पड़ी मृतक आश्रितों के परिजनों को अनुकम्पा नियुक्त पुनः शुरू किए जाने व जल निगम की हर घर नल से जल की पूर्ति के लिये योजना को पब्लिक हेल्थ इंजीनीयरिंग घोषित किये जाने की मांग शामिल रही। इस मौके पर एए सिद्दीकी, ई0 रबन गंगवार, महताब खान, शिवगोविंद, अनिरुद्ध कुमार, एसपी श्रीवास्तव, देवमणि, विनोद कुमार, सै0 शारिक, जमाल, महताब खान, प्रमोद कुमार यादव, जयकरन सिंह, कमला गौर, देवशरण शुक्ला, रामदास, रामप्रताप, कृष्णा देवी, संजय मिश्रा, सरोज सिंह आदि कर्मचारी व पेंशन भोगी कर्मी शामिल रहे।

संदिग्ध अवस्था में माइनर से मिला डीसीएम चालक का शव

बिन्दकी-फतेहपुर।

संदिग्ध अवस्था में डीसीएम चालक का शव माइनर में पड़ा मिला। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ लग गई। जानकारी होने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे शव देखते ही परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की तहकीकात कर रही है।

जानकारी के अनुसार नगर के निकट महरहा रोड बाईपास चौराहे के निकट डीघ माइनर पुलिया के समीप डीसीएम चालक जगदेव पाल 50 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रघुनाथ पाल निवासी जनता कोतवाली बिंदकी का शव शुक्रवार की सुबह करीब 9 बजे देखा गया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ लग गई। मृतक के परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो वह लोग भी मौके पर पहुंचे। उधर सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची। परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के चचेरे चाचा अजय पाल ने बताया कि उनका भतीजा जगदेव पाल महरहा रोड स्थित हीरो बाइक एजेंसी में डीसीएम गाड़ी का चालक है और प्रतिदिन की तरह वह गुरुवार की सुबह ड्यूटी के लिए गया था। जिसके बाद वह देर रात तक वापस नहीं आया। मोबाइल भी नहीं लग रहा था। काफी इधर-उधर खोजबीन की गई लेकिन यह सोच कर कि कंपनी में कोई काम से गया होगा इसलिए परिजन रात को बाइक एजेंसी नहीं पहुंचे।

त्रासदी में लापता हुए परिजनों को ढांढस बंधाने पहुंचे इंस्पेक्टर दिलेश

निघासन खीरी ।

उत्तराखंड तपोवन त्रासदी में कोतवाली निघासन क्षेत्र के गांव मिर्जागंज के लापता हुये तीन युवकों मुजीम, अजीम व भलभल के घर पर पहुँचकर निघासन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने हाल चाल जाना। उत्तराखंड त्रासदी में गाँव के जहाँ पर दो युवक सुरक्षित बचे हैं।

वहीं तीसरा युवक अभी भी लापता है। उनमें से एक युवक अजीम से फोन पर नंबर मिलाकर वीडियो काल पर बात करके प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने घटनाक्रम की जानकारी लेने के साथ साथ ही हाल चाल पूछते हुए हरसंभव मदद किये जाने की बात भी की। जब कि युवक भलभल की अभी तक कोई भी मिलने की सूचना प्राप्त नहीं हो पाई हैं। वहीं भलभल के परिजनों सहित सभी का रो रोकर बुरा हाल हुआ पड़ा हैं। गाँव वालों ने बताया कि घटना के पांचवा दिन बीत जाने के बाद भी भलभल के माता पिता के आसूँ थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

इस बात की जानकारी जब पूरी तरह से ग्रामीणों ने इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह को बताई तो भलभल की माँ व पिता के आँसू पोछते हुए उन्होंने हर संभव सरकार की तरफ से अपनी और से मदद करने का पूर्ण रूप से आश्वासन भी दिया। तीनों युवकों के परिजनों से मुलाकात कर के ढांढस बंधाया। निघासन ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारी सुनील पंकज ने भी मौके पर पहुँचकर परिवारजनों का हाल चाल जानकर हरसंभव सहयोग व मदद किये जाने की बात कही।

दीवार के नीचे दबकर महिला की मौत

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर की चौकी एल आर पी क्षेत्र के ग्राम बासखेड़ा स्थित ईट भट्टे में दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि एक महिला बुरी तरह घायल हो गई। जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार की दो महिलाएं ईट भट्टे से लाई गई थी जिसमे एक महिला की मौत हो चुकी थी। तथा दूसरी महिला घायल थी जिसका उपचार चल रहा है।

वही मृतक महिला के शव को तुरंत लेकर भाग गये इससे तो लगता है कि भट्टा मालिक मामले को दबाना चाहता है इसी लिये घटना की सूचना पुलिस को भी नहीं दी। जब चौकी इंचार्ज से मृतक महिला के बारे में जानकारी लेना चाहा गया तो चौकी इंचार्ज ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है और अभी मैं बाहर हूं पहुंच कर देखता हूं।

दिव्यांगों के कल्याणार्थ परिवहन विभाग संकल्पित : एआरटीओ

लखीमपुर ।

गुरुवार को परिवहन विभाग के रोड सेफ्टी अवेयरनेस परिसर में दिव्यांगजनों की सड़क सुरक्षा विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला में दिव्यांगजनों के लाइसेंस विशेष रूप से बनाए गए अनुकूलित वाहनों के पंजीयन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान व निस्तारण एवं उप्र राज्य परिवहन निगम की बसों में दिव्यांग जनों को प्रदत्त रियायतो के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

एआरटीओ (प्रवर्तन) रमेश कुमार चौबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि परिवहन विभाग उप्र दिव्यांगों के कल्याण हेतु दृढ़ संकल्पित हैं। उन्हें कैसे बेहतर सुविधाएं सुगमता से मुहैया हो सके इसके लिए इस प्रकार कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने मौजूद दिव्यांगजनों को रोड सेफ्टी की बारीकिया बतायी।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता के विषय में विस्तार से जानकारी देकर मौजूद दिव्यांग जनों को सड़क सुरक्षा का संकल्प दिलाया। ट्रैफिक रूल्स सड़कों पर सुरक्षित यात्रा की गारंटी प्रदान करते हैं। इस कार्यशाला व विशेष कैंप का आयोजन विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए किया गया।

किसी प्रकार की असुविधा की दशा में परिवहन विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-1800-151 पर निशुल्क कॉल कर अपनी समस्या का निदान करा सकते हैं।

सफाई कर्मियों ने वेतन दिलाये जाने की उठायी मांग

फतेहपुर।

बहुआ नगर पंचायत में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को काफी समय से वेतन न मिलने के कारण आ रही दिक्कतों को लेकर शुक्रवार को सफाई कर्मियों ने कलेक्ट्रेट आकर प्रदर्शन किया तत्पश्चात चार सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर जल्द से जल्द वेतन दिलाये जाने की गुहार लगाई।

नगर पंचायत बहुआ के सफाई कमियों ने जिलाधिकारी को दिये गये ज्ञापन में बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा सभी सफाई कर्मचारियों का तीन माह से वेतन पर हस्ताक्षर नहीं किया जा रहा है। जिससे सभी भुखमरी की कगार पर आ गये हैं। बताया कि दुकानदार राशन देने से मना कर रहे हैं। घर में बीमार लोगों का ईलाज नहीं हो पा रहा है। वेतन मांगने पर अध्यक्ष कहते हैं कि जब तक दो लोगों का वेतन नहीं दिया जायेगा तब तक तुम लोगों का वेतन नहीं मिलेगा। तीन महीने हो गये हैं एक साथ चार महीने का वेतन ले लेना। बताया कि अपनी मांग रखने पर अध्यक्ष द्वारा नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है। इस तरह से अध्यक्ष द्वारा उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि अध्यक्ष ने इसके पहले भी तीन माह का वेतन एक साथ दिया था। इसी प्रकार अध्यक्ष कर्मचारियों को परेशान कर रहे हैं। सफाई कर्मियों ने बताया कि सभी कर्मचारी आउटसोर्सिंग पर कार्य कर रहे हैं। ठेकेदार कभी भी कस्बे में आकर समस्याओं को नहीं सुनता और न ही किसी प्रकार का लाभ दिया जाता है। मांग किया कि इस ठेकेदार को हटाकर दूसर ठेकेदार से काम लिया जाये। सभी स्थाई सफाई नायक ज्ञान सिंह को सफाई नायक का कार्यभार दिया जाये क्योंकि अध्यक्ष ने स्थाई सफाई नायक ज्ञान सिंह को हटाकर आउटसोर्सिंग पर कार्यरत पम्प आपरेटर राम बाबू को सफाई नायक का कार्यभार दिया है।

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन हेतु मिनी टिपर को अध्यक्ष एवं ईओ द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

सीतापुर। नगर पंचायत हरगांव को स्वच्छ भारत मिशन नगरी के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से 2 नग डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन हेतु मिनी टिपर क्रय किए गए थे जिसके उपयोग हेतु गफ्फार खां अध्यक्ष एवं अरविंद सिंह अधिशासी अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर नगर में रवाना किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के सभासद नजीर अहमद मोहम्मद सलीम सिरी सैयद दानिश नकवी चंद्र मोहन तिवारी संजीव कुमार गुप्ता एवं ठेकेदार रामशंकर अवस्थी उर्फगुड्डे फरीद इश्तियाक अली व मोनू गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजयुमो की जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न

बाराबंकी ।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर युवा मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष भाजपा अवधेश श्रीवास्तव मौजूद रहे बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा रोहित सिंह ने की, ऐतिहासिक बजट 2021-22 पर चर्चा करते हुए अवधेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह बजट देश की प्रगति सुरक्षा स्वास्थ्य कृषि विकास प्रतिभा निर्माण व देश के समग्र विकास की भावना को सच में आम जनमानस की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला बजट है इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश भारत में सफलतापूर्वक इस महामारी का मुकाबला किया आत्मनिर्भर भारत के पैकेज के माध्यम से महिलाओं किसानों श्रमिकों व गरीबों को जनधन खाता के माध्यम से पूरी सहायता प्रदान कर मनरेगा के माध्यम से निरंतर रोजगार प्रदान किया गया भाजयुमो जिला अध्यक्ष रोहित सिंह ने समापन करते हुए कहा कि यह बजट एकमत से राष्ट्रहित को समर्पित समस्पर्शी एवं सर्वव्यापी इज ऑफलिविंग की बुनियाद रखने वाला ऐतिहासिक बजट है।

हम सब युवा इस ऐतिहासिक बजट का पूर्ण रुप से समर्थन करते हैं। बैठक में मुख्य रूप से गुरुशरण लोधी, संदीप गुप्ता, प्रमोद तिवारी, अरविंद मौर्या रचना श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

फाइनल की उम्मीदों के लिए टीम इंडिया को चाहिए जीत

चेन्नई।

भारत को आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट में हर हाल में जीत हासिल करने की जरूरत होगी।

भारत चेन्नई में पहला टेस्ट 227 रन के बड़े अंतर से हार गया था और टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में पहले से चौथे स्थान पर खिसक गया था जबकि इंग्लैंड की टीम चौथे से पहले स्थान पर पहुंच गयी थी। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को फाइनल में पहुंचने के लिए चार मैचों की सीरीज में अब 2-1 या 3-1 से जीत हासिल करने की जरूरत है जबकि इंग्लैंड को फ़ाइनल में पहुंचने के लिए 3-1, 3-0 या 4-0 से जीत हासिल करने की जरूरत है। यदि यह सीरीज ड्रा रहती है तो ऑस्ट्रेलिया फ़ाइनल में पहुंच जाएगा। न्यूज़ीलैंड की टीम का फाइनल में स्थान सुनिश्चित हो चुका है।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 578 रन बनाकर भारत पर ऐसा दबाव बनाया था जिससे विराट की टीम अंत तक उबर नहीं पायी और 420 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच के पांचवें और अंतिम दिन 192 रन पर ढेर हो गयी। भारत को चेन्नई में ही होने वाले दूसरे टेस्ट में न केवल अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा बल्कि अपनी गेंदबाजी को भी अनुशासित करना होगा। भारत को इसके साथ ही इंग्लैंड के कप्तान जो रुट को भी काबू करना होगा जो पिछले तीन टेस्टों में 228, 186 और 218 रन सहित 684 रन बना चुके हैं।

भारत की पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा ने 73, ऋषभ पंत ने 91 और वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 85 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में ओपनर शुभमन गिल ने 50 और कप्तान विराट कोहली ने 72 रन बनाये। गेंदबाजी के दृष्टिकोण से ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 61रन पर छह विकेट लिए थे। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन टुकड़ों टुकड़ों में रहा था जो जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था।

भारत को यदि दूसरे टेस्ट में जीत हासिल कर टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखना है तो उसे सबसे पहले अपनी गेंदबाजी को दुरुस्त करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की पहली पारी में 20 नोबॉल सहित 45 अतिरिक्त रन दिए थे। दो भारतीय स्पिनरों ने आठ नोबॉल डाली थीं जिनमें से छह नोबॉल लेफ्ट आर्म स्पिनर शाहबाज नदीम ने डाली थीं। बाएं घुटने की परेशानी के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे लेफ्ट आर्म स्पिन आलराउंडर अक्षर पटेल ने फिटनेस टेस्ट पास कर

लिया है और उनके पहले टेस्ट में खेलने की पूरी उम्मीद है। नदीम टीम से बाहर हो चुके हैं और अब उन्हें वैकल्पिक खिलाड़ियों में रखा गया है।

दूसरे टेस्ट के लिए चेन्नई में दी गयी पिच के पहले ही दिन से टर्न लेने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। पहले टेस्ट की पिच ने तीसरे दिन से टर्न लेना शुरू किया था और पांचवें दिन तो इस पर खेलना मुश्किल हो गया था। आखिरी दिन पिच की उछाल भी असमान हो गयी थी और कप्तान विराट बेन स्टोक्स की जिस गेंद पर बोल्ड हुए थे वह काफी नीची रह गयी थी। पिच के पहले दिन से स्पिन लेने की संभावना को देखते हुए भारत के तीन स्पिनरों के साथ उतरने की उम्मीद है। अश्विन के साथ अक्षर पटेल रहेंगे जबकि तीसरे स्पिनर के लिए ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव के बीच मुकाबला रहेगा। सुंदर ने हालांकि पहली पारी में नाबाद 85 रन बनाये थे लेकिन वह मैच में कोई विकेट नहीं ले पाए थे। चूंकि पटेल लेफ्ट आर्म स्पिनर होने के साथ निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं इसलिए टीम प्रबंधन सुंदर की जगह कुलदीप यादव को उतार सकता है ताकि उसकी गेंदबाजी में ज्यादा विविधता रहे लेकिन बहुत कुछ पिच की अंतिम स्थिति पर निर्भर रहेगा।

बल्लेबाजी में दूसरे टेस्ट में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। रोहित शर्मा हालांकि पहले टेस्ट की दोनों पारियों में छह और 12 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन वह ओपनिंग में गिल के साथ उतरेंगे। रोहित के लिए यह टेस्ट किसी परीक्षा से कम नहीं होगा और यदि वह इस परीक्षा में पास नहीं होते हैं तो उन्हें तीसरे टेस्ट में बाहर बैठना पड़ सकता है। सलामी बल्लेबाजों के बाद चेतेश्वर पुजारा, विराट, अजिंक्या रहाणे और ऋषभ पंत का क्रम बना रहेगा। रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबोर्न के दूसरे टेस्ट में शतक बनाने के बाद 22,4,37,24,1,0 की परियां खेली हैं।

कप्तान विराट ने अपने उपकप्तान रहाणे की बल्लेबाजी पर पूरा भरोसा जताया है लेकिन रहाणे को बड़ा स्कोर बनाने की जरूरत है ताकि टीम का मध्य क्रम मजबूत रह सके। भारतीय खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट हारने के बाद जिस तरह वापसी की थी उन्हें इस सीरीज में भी वही जज्बा दिखाने की जरूरत है।

दूसरी तरफ इंग्लैंड को दूसरा टेस्ट शुरू होने से पहले एक बड़ा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्हें दायीं कोहनी में दर्द है और उन्होंने इस कोहनी में दर्द से निजात पाने के लिए इंजेक्शन लगवाया है। आर्चर ने भारत की पहली पारी में दोनों ओपनरों को निपटाया था। आर्चर इस दर्द के कारण गुरूवार को ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। इंग्लैंड के खेमे को हालांकि उम्मीद है कि आर्चर तीसरे टेस्ट तक ठीक हो जाएंगे। आर्चर के बाहर हो जाने से अब उम्मीद जताई जा रही कि 38 वर्षीय जेम्स एंडरसन दूसरे टेस्ट में भी खेलेंगे। एंडरसन ने पहले टेस्ट के आखिरी दिन सुबह के सत्र में एक घातक स्पैल में तीन विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी। पहले टेस्ट के बाद यह माना जा रहा था कि एंडरसन को विश्राम देकर उनकी जगह स्टुअर्ट ब्रॉड को खेलाया जाएगा लेकिन आर्चर के बाहर होने के बाद लगता है कि एंडरसन और ब्रॉड दोनों साथ खेल सकते हैं। आर्चर की जगह ओली स्टोन को लाया जा सकता है। स्टोन ने अपना एकमात्र टेस्ट 2019 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था।

इंग्लैंड की टीम में एक परिवर्तन होना तय है। विकेटकीपर जोस बटलर की जगह बेन फॉक्स लेंगे। बटलर पहले टेस्ट के बाद विश्राम के लिए अपने देश लौट चुके हैं। स्पिन विभाग में ऑफ स्पिनर डॉम बेस की जगह मोईन अली को लाया जा सकता है जो श्रीलंका और यहां पहले टेस्ट तक एकादश से बाहर रहे हैं। इंग्लैंड यदि टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए अपनी उम्मीदों को बनाये रखना चाहता है तो उसे दूसरा टेस्ट भी जीतना होगा ताकि आखिरी दो टेस्टों में एक टेस्ट जीतकर फाइनल में पहुंच जाए।

रिजवान के शतक से जीता पाकिस्तान

लाहौर, ।

सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (104) के शानदार शतक से पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहले टी-20 मुकाबले में गुरूवार रात तीन रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

प्लेयर ऑफ द मैच रिजवान ने 64 गेंदों में छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 104 रन की शानदार पारी खेली। रिजवान की इस पारी से पाकिस्तान ने छह विकेट पर 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। हैदर अली ने 15 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 21 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम कड़ा संघर्ष करने के बावजूद छह विकेट पर 166 रन तक ही पहुंच सकी। दक्षिण अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने 42 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 54 रन और जे मलान ने 29 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के के सहारे 44 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी

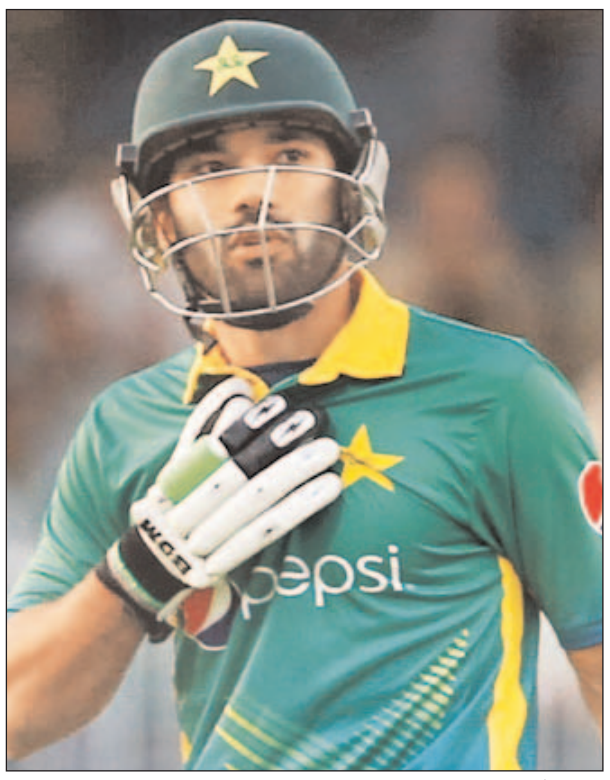

ओवर में जीत के लिए 19 रन चाहिए थे लेकिन फहीम अशरफ ने इस ओवर में 15 रन दिए और जीत पाकिस्तान की झोली में डाल दी।

अर्जुन तेंदुलकर शार्टलिस्ट खिलाड़ियों में, श्रीसंत को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली।

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे तथा मुंबई के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर को 18 फरवरी को चेन्नई में होने वाली आईपीएल 2021 सत्र की नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है जबकि आईपीएल स्पॉट फिक्सिग विवाद में फंसने के बाद हाल ही में क्रिकेट में वापसी करने वाली टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज शांतकुमारन श्रीसंत को इसमें जगह नहीं मिली है।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में मुंबई के लिए अपना पदार्पण किया था और वह पिछले कुछ वर्षों से मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेनिंग कर रहे थे। नीलामी के लिए उनका आधार मूल्य 20 लाख रुपये रखा गया है। आईपीएल 2013 में स्पॉट फिक्सिग विवाद में नाम जुड़ने के बाद श्रीसंत का निलंबन पिछले वर्ष सितंबर में खत्म हुआ था जिसके बाद हाल ही में उन्होंने क्रिकेट के मैदान में वापसी की थी और मुश्ताक अली में केरल की तरफ से खेले थे। श्रीसंत का आधार मूल्य 75 लाख था लेकिन उन्हें शॉर्टलिस्ट खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं मिली, हालांकि उन्होंने कुछ समय पहले दावा करते

हुए कहा था कि कुछ फ्रेंचाइजों ने उनसे बातचीत की है।

कोरोना के कारण तीन वर्ल्ड कप लीग 2 सीरीज स्थगित

दुबई,। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण तीन पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 सीरीज स्थगित कर दी गई है। अमेरिका और नेपाल के खिलाफ ओमान की सीरीज कोरोना महामारी के कारण स्थगित हो गई है। ओमान और स्कॉटलैंड के खिलाफ पापुआ न्यू गिनी की सीरीज भी आगे के लिए स्थगित कर दी गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब इन तीन पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 सीरीज के लिए नये सिरे से कार्यक्रम बनाने पर काम कर रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शासी निकाय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा, ''वर्तमान में भी देशों के बीच यात्रा प्रतिबंधों, मैचों से पहले क्वारंटीन की अवधि और कोविड-19 मामलों में हाल की वृद्धि को देखतें हुये सीरीज को स्थगित किया गया है।' विज्ञप्ति में कहा गया, ''सदस्यों और संबंधित सरकार एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ परामर्श के बाद तीनों सीरीज को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।' आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने कहा, ''आईसीसी की प्राथमिकता खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और प्रशंसकों की सुरक्षा है। हमने देशों के बीच कोविड-19 को देखेते हुये यात्रा प्रतिबंधों, मैचों के पहले क्वारंटीन की अवधि और सरकार एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के निर्देशों और इससे संबंधित स्थिति का पूरी तरह आकलन करने के बाद पाया कि सीरीज को स्थगित करना ही सबसे बेहतर रहेगा।''

वैलेंटाइंस डे पर कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क के साथ कुछ यादगार पेशकश

नई दिल्ली।

देश के कुछ पसंदीदा स्नैकिंग ब्रांड्स के मेकर्स और बेकर्स मॉन्डेलीज़ इंडिया ने वैलेंटाइंस डे पर अपने सबसे आइकॉनिक ब्रांड कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क के साथ कुछ यादगार कहानियों की पेशकश की है। ये कहानियां है मासूम, चुलबुले और जादुई प्रेम की।

कंपनी ने बीते बरसों के दौरान अपनी मिली-जुली मार्केटिंग कोशिशों और गिफ्ट से जुड़े इनोवेशंस के जरिए इस खास मौके का नेतृत्व किया है और जो साल भी ऐसा ही है, जिसमें 'से इट विद सिल्क' से लेकर 'हाउ फार विल यू गो फॉर लव' तक भारत के पसंदीदा प्रीमियम चॉकलेट ब्रांड का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को इस सीजन में प्यार के दिलों में रोमांटिक तार छेड़ने के लिए ज्यादा दूर नहीं जाना पड़े।

इनसाइट्स एंड एनालिटिक्स, मॉन्डेलीज़ इंडिया के मार्केटिंग (चॉकलेट्स) के सीनियर डायरेक्टर अनिल विश्वनाथन ने कहा, ''करीब एक दशक से वैलेंटाइन डे का पर्याय बनकर कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क कंज्यूमर्स को रोमांस के सीजन का जश्न मनाने और उनकी लव स्टोरी में इस दिन की खास जगह बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क ने मौके के अनुरूप स्टोरीटेलिंग और पर्सनलाइज्ड पेशकशों के जरिए उपभोक्ताओं का प्यार पाया और उस प्यार को लगातार मजबूत बनाया है, साथ ही युवाओं से जुड़ाव भी बनाया है। हमारे हालिया कैंपेन ''हाउ फार विल यू गो फॉर लव'' को ग्राहकों और खासतौर से जेनरेशन जेड द्वारा खूब पसंद किया गया। इससे ब्रांड अपील को मजबूत किया गया और इन लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाया गया। हमारे ग्राहकों की जिंदगी में वैलेंटाइंस डे एक अहम दिन है, और वे दिन को यादगार बनाने में यकीन करते हैं। वे जानते हैं कि अपने प्रियजनों के लिए अपने अहसासों को जाहिर करने के लिए अक्सर शब्द कम पड़ जाते हैं और वे खुद को व्यक्त करने के लिए कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क के साथ एक स्पेशल बॉन्ड शेयर करते हैं।''श्री विश्वनाथन ने कहा इस वर्ष के वैलेंटाइंस डे के लिए थीम थी, प्यार के लिए कुछ खास करके जो अपेक्षित है उसे अप्रत्याशित और अनोखा बनाना! तो, प्यार के इस मौसम में कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क दिल को छू लेने वाली छह कहानियों के साथ युवा दिलों को प्रेरित करेगा और रोमांस का जादू बिखेर देगा। इन कहानियों को विशेष रूप से आज के डिजिटल लोगों के लिए डिजाइन किया गया है।

इसके अलावा, ब्रांड ने एक कैडबरी सिल्क हार्ट पॉप एलेक्सा स्किल तैयार किया है। जो अब कंज्यूमर्स सिर्फ स्किल को इनेबल करके एलेक्सा के साथ प्यार के महीने का जश्न मना सकते हैं और इस दिन को और खास बना सकते हैं। सिर्फ यह कहें कि'एलेक्सा, टेल मी वेज़ टु गो फार फॉर लव।'और पाएं कैडबरी डेयरी मिल्क सिल्क के रोमांटिक आइडियाज़, अपने पार्टनर को हैरान कर देने और खुशी से भर देने के लिए जेस्चर्स के रिकमंडेशंस, और यहां तक कि मौके के लिए परफेक्ट गिफ्ट के तौर पर अपने शॉपिंग कार्ट में सिल्क हार्ट पॉप को जोड़ने के लिए प्रॉम्प्ट्स भी।

भारत में स्ट्रीमिंग सेवा की कामयाबी का पीछे रिलायंस जियो : नेटफ्लिक्स

नई दिल्ली, । जानी-मानी स्ट्रीमिंग कंपनी नेटफ्लिक्स के संस्थापक और सह-कार्यकारी अधिकारी रीड हेस्टिंग्स का मानना है कि भारत में डेटा की कीमतों में रिलायंस जियो के कारण गिरावट आयी और इसी वजह से नेटफ्लिक्स जैसी अनेकों स्ट्रीमिंग सेवा यहां कामयाब हो पाई हैं। हेस्टिंग्स ने यहां एक साक्षात्कार में कहा कि महंगी डेटा कीमतों की वजह से भारत की गिनती पहले दुनिया के सबसे कीमती डेटा बाजारों में होती थी किंतु रिलायंस जियो के दूरसंचार क्षेत्र में आने के मात्र 4 वर्षों की अवधि में भारत दुनिया के सबसे सस्ते डेटा बाजारों में से एक माना जाने लगा। उन्होंने कहा कि अगर रिलायंस जियो डेटा क्षेत्र में परिवर्तन नहीं लाता तो नेटफ्लिकस का कारोबार सफल नहीं होता। हेस्टिंग्स ने कहा कि जब हमने कंटेंट निर्माण में निवेश की शुरूआत की, उसी समय कुछ अन्य लोग इंटरनेट बदलने की दिशा में निवेश कर रहे थे। ऐसा कोई भी देश नहीं है जो दुनिया के सबसे महंगे डेटा को दुनिया के सबसे सस्ते डेटा में बदल पाया हो, वो भी केवल चार साल में। साथ ही दुनिया की सबसे कम डेटा खपत की मार्किट को, दुनिया की सबसे उच्च खपत वाले मार्किट में से एक बना पाया हो।

पेट्रोल-डीजल के दाम रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल के दाम शुक्रवार को लगातार चौथे दिन फिर से बढ़ गये। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकॉर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं। घरेलू बाजार में सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल आज 29 पैसे महँगा

हुआ और इसकी कीमत 88.14 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। मुंबई में पेट्रोल 28 पैसे बढ़कर 94.64 रुपये हो गया जबकि कोलकाता में 28 पैसे बढ़कर इसकी कीमत 89.44 रुपये प्रति लीटर हो गई। चेन्नई में इसकी कीमत 26 पैसे बढ़ी और एक लीटर पेट्रोल 90.44 रुपये का बिका। पेट्रोल मुंबई में पहली बार 94 रुपये और चेन्नई में पहली बार 90 रुपये प्रति लीटर के पार पहुँचा है। डीजल की कीमत दिल्ली में 35 पैसे चढ़कर 78.38 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई जो 30 जुलाई 2020 के बाद का रिकॉर्ड स्तर है। इसकी कीमत मुंबई में 38 पैसे बढ़कर 85.32 रुपये, चेन्नई में 34 पैसे बढ़कर 83.52 रुपये और कोलकाता में 35 पैसे बढ़कर 81.96 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई।

सोना 126 रुपये सस्ता, चांदी महंगा हुआ

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर मांग में मिश्रित रुख होने से शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना 0.27 फीसदी सस्ता हुआ जबकि चाँदी की कीमत में करीब 0.45 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। एमसीएक्स वायदा बाजार में आज सोना 126 रुपये की यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,382 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुँच गया। सोना मिनी 129 रुपये घटकर 47,248 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। चाँदी में 308 रुपये यानी 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 68,800 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चाँदी मिनी 277 रुपये महंगी हुई और 68,731 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 8.74 डॉलर घटकर 1,816.62 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया। अप्रैल का अमेरिकी सोना वायदा भी 4.30 डॉलर की कमी के साथ 1,820.60 डॉलर प्रति औंस बोला गया।

खाद्य तेलों और दालों में टिकाव

नई दिल्ली ।

विदेशों में खाद्य तेलों में मिश्रित रुख के बीच दिल्ली थोक जिंस बाजार में भी शुक्रवार को खाद्य तेलों और दाल-दलहन की कीमतों में टिकाव दर्ज किया गया। इस दौरान चीनी और गुड़ के दामों में स्थिरता बनी रही। जबकि इस बीच गेंहू और आटे की कीमतें भी स्थिर रहीं।

तेल-तिलहन : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पॉम ऑयल का अप्रैल वायदा 101 रिंगिट बढ़कर 3,489 रिंगिट प्रति टन पर पहुँच गया। मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.35 सेंट बढ़कर 45.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजार में मांग में मिश्रित रुख के मद्देनजर कारोबार के बीच मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, पॉम ऑयल समेत वनस्पति तेल, सोया तेल और सरसों तेल की कीमतें अपरिवर्तित रहीं। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में चीनी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ जबकि गुड़ के भाव भी स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दलहनों में चना दाल, मूंग दाल, अरहर दाल, उड़द दाल और मसूर दाल समेत सभी दालों की कीमतें अपरिवर्तित रहीं।

अनाज : अनाजों में गेहूँ और चावल की कीमतें गत दिवस के स्तर पर ही पड़ी रहीं।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहनः चना 4,350-4,500, दाल चना 5,450-5,650, मसूर काली 6,750-7,050, मूंग दाल 9,150-9,450, उड़द दाल 9,300-9,600, अरहर दाल 9,400-9,600 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 1,935-1955 रुपये और चावल : 2,700-2,800 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3,300-3,350, चीनी एम. 3,390-3,490, मिल डिलीवरी 3,220-3,320 और गुड़ 2,900- 3,000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 14,652 रुपये, मूंगफली तेल 17,435 रुपये, सूरजमुखी 15,018 रुपये, सोया रिफाइंड 13,553 रुपये, पाम ऑयल 10,842 रुपये, वनस्पति 11,714 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

आर्चर कोहनी में दर्द के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर

चेन्नई

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अपनी कोहनी में दर्द के कारण इंजेक्शन लेने के बाद भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड पहला टेस्ट 227 रनों से जीतने के बाद चार मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है। इंग्लैंड की इस जीत में आर्चर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी में दर्द की शिकायत के बाद गुरुवार को अभ्यास नहीं कर पाये और फिर उन्हें दर्द निवारक इंजेक्शन लेनी पड़ी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को विश्वास है कि यह माामला ज्यादा गंभीर नहीं है और आर्चर 24 फरवरी से अहमदाबाद में

शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए पुरी तरह से स्वस्थ हो जाएंगे। आर्चर को करीब एक वर्ष पहले इसी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। ईसीबी ने कहा, ''यह मामला पहले की चोट से संबंधित नहीं है।''

ईसीबी ने बयान जारी कर कहा, ''उम्मीद है कि इलाज से स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी और यह खिलाड़ी अहमदाबाद में तीसरे टेस्ट मैच में वापसी कर पाएगा।

म्यांमार के जनरल ने की सेना का साथ देने की अपील

यंगून। म्यांमार में तख्तापलट में शामिल एक नेता ने देश में 'एकता दिवस' के मौके पर लोगों से कहा कि अगर वे लोकतंत्र चाहते हैं तो उन्हें सेना के साथ मिलकर काम करना होगा। वहीं, देश के निर्वाचित नेताओं की रिहाई के लिए लोगों का प्रदर्शन भी जारी है। सीनियर जनरल मिन आंग लाइंग ने कहा, ''मैं समूचे राष्ट्र से पूरी गंभीरता से अपील करता हूं कि लोकतंत्र को वास्तव में बहाल करने के लिए लोगों को सेना के साथ हाथ मिलाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''अतीत की घटनाओं ने हमें सिखाया है कि सिर्फ राष्ट्रीय एकता ही देश को विघटन से रोकने और अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने में कारगर है।'' सेना के कमांडर का यह संदेश 'ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमा' अखबार में प्रकाशित हुआ है। नए सैन्य शासन ने यह भी घोषणा की कि वह 'एकता दिवस' के मौके पर हजारों कैदियों को रिहा करेगी और अन्य कैदियों की सजा कम करेगी। चमिन आंग लाइंग म्यांमार में एक फरवरी को हुए तख्तापलट में शामिल थे। सेना ने कहा कि उसे यह कदम इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि सू ची की सरकार नवंबर में हुए चुनाव में धोखाधड़ी के आरोपों की उचित तरीके से जांच करने में नाकाम रही। हालांकि चुनाव आयोग ने कहा कि इन दावों की पुष्टि के लिए कोई सबूत नहीं हैं।

पाक ने किया बाबर क्रूज मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने 450 किलोमीटर तक लक्ष्य को भेदने में सक्षम सतह से सतह पर मार करने वाली बाबर क्रूज मिसाइल का बृहस्पतिवार को सफल परीक्षण किया। पिछले तीन सप्ताह में देश ने तीसरी बार मिसाइल का परीक्षण किया है। सेना ने एक बयान में कहा कि बाबर मिसाइल पूरी सटीकता के साथ जमीन और समुद्र में लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। अत्याधुनिक मल्टी ट्यूब परीक्षण वाहन से मिसाइल दागी गयी।

बयान में कहा कि बाबर क्रूज मिसाइल 450 किलोमीटर तक निशाना भेदने में सक्षम है। परीक्षण के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक और रक्षा अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने सैन्य रणनीतिक बल के प्रशिक्षण और संचालन तैयारियों के मानकों की सराहना की। सेना ने कहा कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, प्रधानमंत्री इमरान खान, ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल जुबैर महमूद हयात ने मिसाइल के कामयाब परीक्षण में हिस्सा लेने वाले कर्मियों को मुबारकवाद दी। पिछले तीन हफ्ते में यह तीसरा कामयाब परीक्षण है। इससे पहले तीन फरवरी को पाकिस्तान सेना ने परमाणु क्षमता से संपन्न 290 किलोमीटर तक सतह से सतह पर मार करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। पाकिस्तान ने 20 जनवरी को परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन-तीन का परीक्षण किया था। यह मिसाइल 2750 किलोमीटर तक निशाने को भेद सकती है।

बाइडेन ने कश्मीर को भारत का बताया, पाक को लगी मिर्ची

इस्लामाबाद। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन के कश्मीर को भारत का बताए जाने पर पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान ने इसका जमकर विरोध किया है। दरअसल, अमेरिका के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो ने एक ट्वीट किया था, जिसमें उसने कहा था कि भारत के जम्मू-कश्मीर में 4जी इंटरनेट सुविधा बहाल होने का हम स्वागत करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जम्मू-कश्मीर में 4जी इंटरनेट सेवा बहाल होने का जिक्र अपने ट्वीट में करने पर पाकिस्तान ने गहरी निराशा जाहिर की है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश विभाग ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के दर्जे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अनेक प्रस्तावों में तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा विवादित माना गया है, ऐसे में यह जिक्र असंगत है।' पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी इस विवाद में कूद पड़े हैं।

महमूद कुरैशी ने कहा कि बाइडन प्रशासन को कश्मीर में जमीनी हकीकत को अनदेखा नहीं करना चाहिए। उन्होंने दुनिया से अपील की कि कश्मीर मुद्दे का शांतिपूर्वक समाधान होना चाहिए। उधर ट्वीट के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने पत्रकारों से कहा, 'मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि क्षेत्र में अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।'

नए कृषि कानूनों पर ब्रिटिश संसद में उठी आवाज, कहा-यह भारत का आंतरिक मामला, अमेरिका भी कर चुका है मोदी सरकार का समर्थन

लंदन । ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कामंस में कृषि सुधारों को भारत का घरेलू मामला बताया गया है। एक वरिष्ठ सांसद द्वारा दिया गया यह बयान दर्शाता है कि किसान आंदोलन को लेकर ब्रिटिश सरकार का क्या रुख है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को विपक्षी लेबर पार्टी के सांसदों ने मुद्दे पर बहस की मांग की थी। इसके जवाब में सत्तापक्ष से जुड़े वरिष्ठ सांसद जैकब रीस मोग ने कहा, भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है। वह एक ऐसा देश है जिसके नए कृषि कानूनों पर ब्रिटिश संसद में उठी आवाज, कहा-यह भारत का आंतरिक मामला, अमेरिका भी कर चुका है मोदी सरकार का समर्थनसाथ हमारे सबसे मजबूत संबंध हैं। किसानों के आंदोलन पर ब्रिटिश सरकार बारीकी से नजर रखी है। कृषि सुधार भारत का घरेलू मामला है। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका ने भी नए कृषि कानूनों पर भारत सरकार के रुख का समर्थन किया था। अमेरिका ने कहा था कि वह उन प्रयासों का स्वागत करता है जिससे भारत के बाजारों की क्षमता में सुधार होगा और निजी क्षेत्र की कंपनियां निवेश के लिए आकर्षित होंगी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के इस बयान से संकेत मिला था कि बाइडन प्रशासन कृषि क्षेत्र में सुधार के भारत सरकार के कदम का समर्थन करता है। इससे निजी निवेश आकर्षित होगा और किसानों की बड़े बाजारों तक पहुंच बनेगी। ऐसे में जब किसान आंदोलन को लेकर कुछ अंतराष्ट्रीय हस्तियों की तरफ से दुष्प्रचार करने की कोशिश की जा रही है ब्रिटेन ने भी भारत सरकार के रुख को सही ठहराया है। बीते दिनों विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय के बयान को उसके पूर्ण परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आप सभी ने देखा होगा कि अमरिकी विभाग ने भारत में कृषि सुधार के लिए उठाये जा रहे कदमों की सही ठहराया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ही नहीं वरन कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन एवं यूरोपीय संघ के तमाम विकसित देश काफी पहले भी भारत में अनाजों की सरकारी खरीद को लेकर अपनी नाराजगी जताते रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भूकंप के तगड़े झटके, 6.3 रही तीव्रता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के ये झटके 10 बजकर 34 मिनट पर महसूस किए गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भूकंप के झटके पंजाब, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान में जमीन से 80 किलोमीटर नीचे बताया जा रहा है। भूकंप के चलते लोगों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए।

ताजिकिस्तान में 6.3 मापी गई तीव्रता

समाचार एजेंसी रॉयटर की रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान-शिनजियांग सीमा क्षेत्र में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई। वहीं समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक ताजिकिस्तान में आए इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई।

चीन ने लगायी बीबीसी के प्रसारण पर रोक

बीजिंग। चीन की सरकार ने देश में बीबीसी के प्रसारण पर रोक लगा दी है। हाल ही में ब्रिटेन ने चीनी सरकारी चैनल सीटीजीएन का लाइसेंस रद्द कर दिया था और चीन ने एक सप्ताह पहले इसका जवाब देने की धमकी दी थी। बीजिंग के राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन प्रशासन ने देर रात दिए एक वक्तव्य में कहा कि चीन में बीबीसी वर्ल्ड न्यूज ने नियमों का उल्लंघन किया है और देश के हितों को नजरअंदाज किया है। चीन में पहले ही कुछ होटलों, प्रतिष्ठानों और विदेशियों के लिए निर्मित आवासीय परिसरों के बाहर बीबीसी नहीं देखा जा सकता था। यह स्पष्ट नहीं है कि प्रतिबंध से इन जगहों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस मामले में बीबीसी की ओर से बयान जारी किया गया है।

इसमें कहा गया है, हम चीन के अधिकारियों की ओर से उठाए गए इस कदम से निराश हैं। बीबीसी दुनिया की सबसे भरोसेमंद न्यूज ब्रॉडकास्टर है। यह दुनिया भर से निष्पक्ष और बिना डरे स्टोरीज लोगों के सामने रखता है। चीन का यह कदम तब आया है जब 4 फरवरी को ब्रिटेन में मीडिया रेगुलेटर ऑफक्रॉम ने चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क (सीजीटीएन) का ब्रिटेन में प्रसारण का लाइसेंस रद कर दिया था। जांच में पाया गया था कि लाइसेंस गलत तरीके से स्टार चाइना मीडिया लिमिटेड के पास था।

खबरें एक नजर में

14 फरवरी को केरल और तमिलनाडु का दौरा करेंगे पीएम मोदी, सेना को सौंपेंगे अर्जुन टैंक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को देश के दो दक्षिणी राज्य तमिलनाडु और केरल का दौरा करेंगे। इस दौरान वह चेन्नई में कई प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से कहा गया है कि चेन्नई के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सेना को अर्जुन मुख्य युद्धक टैंक (रूच-1) भी सौंपेंगे। इसके अलावा कोच्चि में वह विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। डीआरडीओ के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि एक उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय सेना में 118 अर्जुन मार्क 1ए टैंक को शामिल करने की मंजूरी दी है, जिसकी कीमत लगभग 8,400 करोड़ रुपए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को चेन्नई में अर्जुन टैंक के नवीनतम संस्करण को भारतीय सेना को सौंपेंगे। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को चेन्नई में अर्जुन टैंक के नवीनतम संस्करण को भारतीय सेना को सौंपेंगे। डीआरडीओ ने टैंक को पूरी तरह से डिजाइन और विकसित किया गया है।

देश में तेजी से हो रहा कोरोना का टीकाकरण, अब तक 77 लाख से ज्यादा लोगों को दी गई वैक्सीन

नई दिल्ली । देश में तेजी के साथ कोरोना का टीकाकरण किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 12 फरवरी शाम 6 बजे तक कुल 77,66,319 लोगों को कोरोना का टीकाकरण किया गया है। इनमें से 58,65,813 हेल्थकेयर वर्करों का टीकाकरण शामिल है।

मंत्रालय ने बताया कि कम से कम एक बार कोरोना के टीकाकरण के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए शेड्यूल 20 फरवरी तक किया जाना है। स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए कोरोना के टीकाकरण का राउंड अप 25 फरवरी तक समाप्त हो जाएगा। वहीं, फ्रंटलाइन वर्करों (पुलिस व अन्य प्रशासन के अधिकारियों) के टीकाकरण की शेड्यूलिंग 1 मार्च के लिए तय की गई है। जिन्हें किसी भी कारण से टीका नहीं लगाया गया, उनके लिए राउंड अप 6 मार्च तक रखा गया है।

मुंबईः महामारी के चलते आर्थिक संकट से जूझते लोगों पर पड़ी पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों की मार

कोरोना वायरस महामारी के कारण पहले ही देशवासी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इस बीच देश के कुछ हिस्सों में बढ़ाई गई पेट्रोल-डीजल की कीमतों के चलते अब आम आदमी की रीढ़ ही तोड़ दी गई है। एक तरफ लोगों को अपने परिवार का पालन पोषण करने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है, वहीं अब प्रतिदिन पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दामों से आम जन पर मंहगाई की दोहरी मार पड़ रही है। ईंधन की कीमतों में तेजी बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। इस कारण कभी न रुकने वाली मुंबई को भी झटका लगा है। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के चलते बड़ी संख्या में मुंबईवासियों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। शहर में शुक्रवार को पेट्रोल का दाम 94.64 रुपये प्रति लीटर हो गया तो डीजल की कीमत 85.32 रुपये प्रति लीटर रही। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, शुक्रवार यानी 12 फरवरी को पेट्रोल के दाम में 28 से 29 पैसे की बढ़ोतरी हुई, जबकि डीजल के दाम 35 पैसे से 38 पैसे तक बड़ गए। पिछले कई दिनों से पेट्रोल व डीजल के दामों में वृद्धि का सिलसिला जारी है। इनके बढ़ते दामों पर सवाल उठने पर पिछले दिनों पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राज्यसभा में कहा था कि सरकार के पास पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला टैक्स को घटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा था कि कीमतों में फेरबदल अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भर करती है, इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है, कीमत पेट्रोलियम कंपनियां ही तय कर कर रही हैं। बता दें रोज सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। पेट्रोल और डीजल के दाम एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद बड़ जाती हैं। बजट 2021-22 में पेट्रोल पर 2.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 4 रुपये प्रति लीटर का एग्री इन्फ्रा सेस लगाने का एलान हुआ था, लेकिन सरकार का कहना था कि इससे आम जनता पर कोई अतिरिक्त भार नहीं आएगा।

सपना चौधरी पर होगी कानूनी कार्यवाही, डांसर पर धोखाधड़ी के मामले में दर्ज हुआ केस

अपने डांस मूव्ज से लाखों दिलो को बेताब करने वाली हरियाणवी डांसर सपना चौधरी कानूनी पचड़े में फैंस गई है। अब सपना चौधरी के खिलाफएक केस दर्ज हो गया है। वो भी कोई छोटे-मोटे मामले में नहीं बल्कि धोखाधड़ी के मामले में। जी हां, सपना चौधरी के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक करीब 4 करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत आर्थिक अपराध शाखा यानी इकनोमिक ओफ्फेंसेस विंग के आधार पर सपना चौधरी और बाकी के खिलाफदर्ज की गई है। दिल्ली के म्ॅ में सपना के खिलाफ एफआईआर 10 जनवरी को दर्ज की थी। खबरों के मुताबिक, सपना चौधरी ने स्टेज शो के एग्रीमेंट साईन किए थे, जिसके लिए उन्होंने मोटा एडवांस भी लिया था, लेकिन स्टेज शो में परफॉर्मेंस नहीं किया। आरोप ये भी है कि सपना ने लोन के नाम पर भी एडवांस लिया, जिसे चुकाया भी नहीं और न ही बदले में स्टेज शो किए। शिकायत के बाद सपना चौधरी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 120 और 406 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जिसके चलते आर्थिक अपराध शाखा जल्द ही सपना को नोटिस देकर जांच में शामिल होने को कहेगी। बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब सपना चौधरी के खिलाफकेस दर्ज किया गया हो। इससे पहले भी वो कई बार कानूनी पचड़ों में फंस चुकी हैं।

मालवी मल्होत्रा ने लगाया कंगना रनौत पर इलजाम, कहा लड़ाई में साथ देना तो दूर मेरी सुध तक नहीं ली

कंगना रनौत पर अब एक टीवी एक्ट्रेस ने इलजाम लगाया है। ये टीवी एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि मालवी मल्होत्रा हैं। आपको याद दिला दे, बीते साल अक्टूबर में मालवी मल्होत्रा पर एक शख्स ने चाकू से जानलेवा हमला किया है। इस हमले में वो घायल हो गई थीं। मालवी मल्होत्रा को जब अस्पताल में भर्ती करवाया गया तो ये खबर काफी सुर्खियों में रही थी। उस दौरान कंगना रनौत ने उनकी मदद करने का वादा किया है और उनके साथ खड़े रहने की बात कही थी। अब हमले के 5 महीने बाद मालवी मल्होत्रा ने कहा है कि कंगना रनौत वादा करने के बाद उसको पूरा करने के बजाय पीछे हटने वालों में से हैं। मालवी मल्होत्रा ने कहा, श्मुझे कंगना रनौत पर बहुत विश्वास था। मुझे यकीन था कि वो मेरी मदद करने लिए जरूर आगे आएंगी। इसलिए मैंने एक डॉक्टर की मदद से अपना वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर कंगना से मदद मांगी थी। उसी दिन कंगना ने इस घटना को लेकर ट्वीट भी किया था। उन्होंने अपने ट्वीट में फिल्म इंडस्ट्री में फैले भाई-भतीजावाद पर भी बात की थी। उन्होंने मेरी मदद करने और इस लड़ाई में मेरा साथ देने का भी वादा किया था। मालवी मल्होत्रा ने आगे कहा, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से आज तक मैं कंगना की मदद का इंतजार कर रही हूं। लड़ाई में मेरा साथ देना तो दूर आज तक उन्होंने मेरी सुध तक नहीं ली।

इंडिया को मिली फेमिना मिस इंडिया 2020, मानसा वाराणसी ने जीता खिताब

अब फेमिना मिस इंडिया 2020 की रेस पूरी हो गई है और हमे एक नई मिस इंडिया मिल गई है। जिसकी पूरे देश को तलाश थी अब वो तलाश भी पूरी हो गई है। तेलंगाना की रहने वाली मानसा वाराणसी ने फेमिना मिस इंडिया 2020 का खिताब जीत लिया है। मानसा के सिर मिस इंडिया का ताज सज चूका है। बुधवार को फेमिना मिस इंडिया 2020 के ग्रांड फिनाले इवेंट की फोटोज फेमिना मिस इंडिया के ऑफिसियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की गई हैं। इन फोटोज में फेमिना मिस इंडिया 2020, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2020 और फेमिना मिस ग्रेंड इंडिया 2020 नजर आ रही हैं। आपको बता दे, मानसा ने मिस इंडिया 2020 का खिताब जीता है तो वहीं मान्या सिंह फेमिना मिस ग्रैंड इंडिया और मनिका शियोकांड फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2020 का खिताब जीतकर फर्स्ट और सेकेंड रनरअप रहीं। वही, फेमिना मिस इंडिया के ग्रैंड फिनाले इवेंट में कई बॉलीवुड स्टार्स भी शामिल हुए जिनमें बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया, चित्रांगदा सिंह, एक्टर अपारशक्ति खुराना और पुलकित सम्राट नजर आ रहे हैं। अपारशक्ति इस इवेंट में बतौर होस्ट नजर आए थे। इनके अलावा बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने भी अपने डांस से फेमिना मिस इंडिया 2020 के ग्रैंड फिनाले में डांस से जलवा बिखेरा।

जोड़ दर्द का रामबाण इलाज तोदरी, जड़ से खत्म हो जाएगी ये बीमारियां भी

आयुर्वेद में तोदरी का इस्तेमाल अलग-अलग तरीके होता है लेकिन आप सोच रहे होंगे कि यह होता क्या है। बता दें कि यह एक ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जो गठिया, जोड़ों में दर्द से लेकर अस्थमा का रामबाण इलाज है। मसूर के दाने के जैसे दिखने वाले तोदरी सफेद, लाल और पीले रंग का बीज है, जो शाकीय पौधा से निकलते हैं। यह ज्यादातर अप्रैल के महीने में मिलते है, जो सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

चलिए आपको बताते हैं कि आखिर किन बीमारियों में फायदेमंद है तोदरी...

दस्त से राहत दिलाएः तोदरी का काढ़ा बनाकर 10-20 मि.ली. मात्रा में सेवन करें। इससे दस्त के साथ कमजोरी भी दूर होगी और पाचन क्रिया सही रहेगी।

यूरीन की परेशानी होगी दूरः यूरिन इंफेक्शन या यूटीआई की समस्या है तो तोदरी का काढ़ा बनाकर पीएं। दिन में एक बार इसका काढ़ा पीने से आपकी समस्या कुछ ही दिनों में दूर हो जाएगी।

खून की कमी करे पूरीः इससे भरपूर आयरन मिलता है, जिससे शरीर में खून की कमी नहीं होती और ब्लड सर्कुलेशन भी सही रहता है। इससे आप एनीमिया से बचे रहते हैं।

गठिया दर्द करे दूरः तोदरी के फूलों को जैतून तेल में अच्छी तरह पकाकर छान लें। इसे एक बोतल में स्टोर कर लें। अब इससे प्रभावित हिस्से पर 5-7 मिनट तक अच्छी तरह मसाज करें। इससे आपको दर्द से राहत मिलेगी।

ब्रेस्ट साइज बढ़ाने में मददगारः 2-3 ग्राम तोदरी चूर्ण के साथ बराबर मात्रा में शतावरी चूर्ण को गर्म दूध के साथ लें। रोजाना ऐसा करने से आपकी ब्रेस्ट का साइज बढ़ेने लगेगा।

अस्थमा में फायदेमंदः रोजाना 10-20 मि.ली. ग्राम तोदरी के बीजों का सेवन अस्थमा रोगियों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है लेकिन इससे अपने किसी एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

शारीरिक कमजोरी होगी दूरः 2-3 ग्राम तोदरी चूर्ण में बराबर मिश्री मिलाकर 1 गिलास दूध के साथ सेवन करें। इससे कमजोरी दूर होगी और शरीर को एनर्जी भी मिलेगी।

सूजन से दिलाए राहतः सूजन को दूर करने के लिए तोदरी को पीसकर लेप लगाएं। इसका लेप लगाने से घाव भरने में भी मदद मिलती है।

जोड़ दर्द से आरामः तोदरी के पत्ते, नीम के 2-4 फल व अर्क के पत्ते को अच्छी तरह पीस लें। अब इसमें तिल या जैतून तेल मिलाकर पकाएं। इसे ठंडा करके एक कांच की शीशी में छानकर निकाल लें। अब जोड़ों में दर्द होने पर इससे मसाज करें।

अब तो आप जान ही गए होंगे कि तोदरी का सेवन आपको कितने सारे फायदे देता है लेकिन ध्यान रखें कि बिना एक्सपर्ट की सलाह लिए किसी भी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी का सेवन ना करें।

बच्चन पांडे की कहानी का हुआ खुलासा, फिल्म में अक्षय कुमार निभाएंगे ये खास किरदार

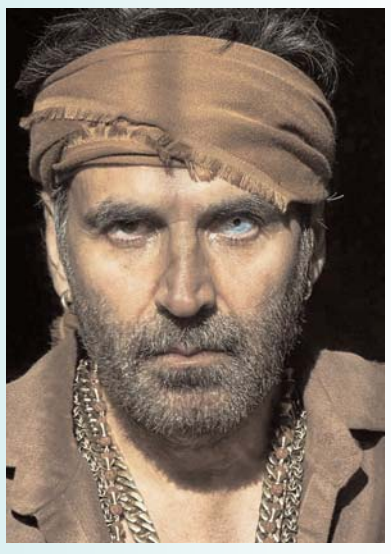

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार उन स्टार्स की लिस्ट में शुमार हैं,जिनकी एक साल में कई फिल्में रिलीज होती हैं। वैसे इस बात में कोई दोराए नहीं की एक्टर कुछ अलग और नया देने के लिए अक्षय के फैंस भी बहुत खुश रहते हैं। एक तरफ जहां अभिनेता फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी को लेकर चर्चा में छाए हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म बच्चन पांडे को लेकर भी एक बड़ी खबर सामने आई है। अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म'बच्चन पांडे' में गैंगस्टर का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। अक्षय कुमार इन दिनों जैसेलमेर में'बच्चन पांडे' की शूटिंग कर रहे हैं। चर्चा हो रही है कि इस फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार एक गैंगस्टर का है। फिल्म में उन्हें सुधारने का जिम्मा पत्रकार बनीं कृति सैनन के कंधों पर है। इस फिल्म में अक्षय अवधी के टच वाली हिंदी बोलते दिखेंगे। इसके लिए वे फिल्म के सेट पर ही असिस्टेंट डायरेक्ट से ट्रेनिंग ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि'बच्चन पांडे' में अक्षय कुमार उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले गैंगस्टर बच्चन पांडे के रोल में हैं। पत्रकार बनीं कृति उनके लिए एक फिल्म प्लान करती हैं। फिर हीरो जुर्म की दुनिया को छोड़ता है कि नहीं, उस पर कहानी आगे बढ़ती है। गौरतलब है कि'बच्चन पांडे' में अक्षय और कृति के अलावा अरशद वारसी, संजय मिश्रा और पंकज त्रिपाठी की भी अहम भूमिकायें है। फिल्म की शूटिंग जैसेलमेर में ही कंप्लीट कर ली जाएगी।

सारा अली खान ने ग्यानी दांत को कहा बाय बाय, दांत उखड़वाते हुए शेयर की मजेदार वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। वो अक्सर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ न कुछ शेयर करती ही रहती है। अब हाल ही में सारा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। दरअसल सारा हाल ही में अपना दांत निकलवाने के लिए डेंटिस्ट के पास गई थी और वहीं का एक वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए सारा ने कैप्शन में लिखा, नमस्कार दर्शकों ग्यानी दांत बाय बाय। इस वीडियो में उन्हें ऑपरेशन टेबल पर लेटे हुए देखा जा सकता है। वो अपने दांत निकलवाने अस्पताल आई हुई है। वो हिंदी में कमेंट्री करने की कोशिश भी कर रही हैं। हालांकि हिंदी में उन्हें श्निकलवानेश् शब्द का लिए काफी जूझना पड़ा। उन्होंने सर्जरी के बाद फैंस को अपनी अपडेट भी दी। वीडियो में सारा अली खान कह रही है, नमस्ते दर्शकों, सॉरी मैं इतने अच्छे से बात नहीं बोल पा रही हूं। मुझे हमारे हर सेंटेंस में हंसी आ रही है। डॉक्टर शेट्टी हमारे साथ है। वो हमारे ज्ञान दांत को उद्घाटन बोलने वाली थी। मुझे लगता है, यह सही शब्द नहीं है। इसका मतलब लांच करना है, जबकि मुझे निकलवाने का अर्थ चाहिए। इस पर वो डॉक्टर से सलाह लेती हैं और कहती हैं, उखाड़ने वाले हैं। आपको बता दे, सारा अली खान प्रोसीजर खत्म होने के बाद एक बार फिर बोलती हुई नजर आई। सारा अली खान कहती है, नमस्ते दोस्तों हमारा सर्जरी हो गया सब कुशल मंगल है, थैंक्यू सो मच डॉक्टर शेट्टी जी। वही वर्क फ्रंट की बात करे तो सारा अली खान ने हाल ही में फिल्म कुली नंबर 1 से अपना डिजिटल डेब्यू भी किया है। इसमें वो वरुण धवन के साथ नजर आई थी। सारा अली खान जल्द ही फिल्म अतरंगी रे में नजर आएंगी।